वर्ष:- 06
अंक:- 11
मुरादाबाद
(Saturday)
02 May 2026
पृष्ठ:-8
मूल्य:- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रात: कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

भारत की कूटनीति में व्यापार, प्रौद्योगिकी और पर्यटन पर फोकस, प्रधानमंत्री ने 3टी का दिया नारा

गुजरात का 66वां स्थापना दिवस, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से लेकर प्रधानमंत्री ने दी शुभ

गुजरात के 66वें स्थापना दिवस पर सूरत में समारोह हुआ, द्रौपदी मुर्मू, नरेंद्र मोदी समेत नेताओं ने शुभकामनाएं दीं और राज्य के योगदान व संस्कृति की सराहना कीआज गुजरात का 66वां स्थापना दिवस है। इस अवसर पर राज्य-स्तरीय मुख्य समारोह सूरत में आयोजित किया गया, जिसमें राज्यपाल, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। यह दिन 1960 में भाषाई आधार पर तत्कालीन मुंबई राज्य के विभाजन के बाद गुजरात के गठन का प्रतीक है।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और की भाजपा नेताओं ने राज्य को लोगों को शुभकामनाएं दी। राष्ट्रपति ने गुजरात को स्वामी दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे महापुरुषों की जन्म स्थली के रूप में याद किया। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में भारत की प्रगति में उत्कृष्ट योगदान का जिक्र किया। इसके साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी इसके लिए शुभकामनाएं दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर पोस्ट करके लिखा गुजरात राज्य के स्थापना दिवस पर सभी देशवासियों, विशेषकर विश्वभर में बसे गुजराती भाई-बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं। स्वामी दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल की यह पावन जन्मस्थली सामाजिक उत्थान, देश प्रेम और राष्ट्र निर्माण के अनेक प्रेरक आदर्श प्रस्तुत करती है। गुजरात के उद्यमी और प्रगतिशील लोगों ने अपने परिश्रम और प्रतिभा से विश्व में भारत का गौरव बढ़ाया है। मुझे विश्वास है कि गुजरात के निवासी विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ते रहेंगे और प्रगति के नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे। प्रधानमंत्री ने बताया भारत का तरक्की में बड़ा योगदान पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट करके लिखा गुजरात दिवस के खास मौके पर गुजरात के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं। यह दिन गुजरात के समृद्ध इतिहास, जीवंत संस्कृति और शानदार भावना का जश्न है। राज्य ने भारत की तरक्की में बहुत बड़ा योगदान दिया है। लोगों का जोशीला और मेहनती स्वभाव देखने लायक है। उम्मीद है कि गुजरात आने वाले समय में तरक्की की नई ऊंचाइयों को छूता रहेगा। 11वें मिशन प्रमुख सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की कूटनीति को नई दिशा देते हुए 3टी ट्रेड, टेक्नोलॉजी और टूरिज्म को प्रमुख आधार बताया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस संबोधन को सम्मेलन का सबसे अहम क्षण बताते हुए कहा कि इसमें भारत की वैश्विक रणनीति की स्पष्ट रूपरेखा सामने आई।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 11वें हेड्स ऑफ मिशन्स (।ह्लरू) सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को सम्मेलन का बेहतरीन क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत की कूटनीति में व्यापार, प्रौद्योगिकी और पर्यटन यानी %3टी% की बढ़ती भूमिका को जिस स्पष्टता से रेखांकित किया, वह बेहद महत्वपूर्ण है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच जोखिम कम करने की रणनीति पर जोर जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि सम्मेलन में नेबरहुड फर्स्ट नीति, प्रवासी भारतीयों के साथ गहरे संबंध और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच डी-रिस्किंग यानी जोखिम कम करने की रणनीति पर भी विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि सरकार, व्यापार और टेक्नोलॉजी जगत के विशेषज्ञों के विचारों से सम्मेलन को व्यापक दृष्टिकोण मिला।प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित इस सम्मेलन में भारत की विदेश नीति के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि व्यापार, टेक्नोलॉजी और रणनीतिक साझेदारियों को मजबूत कर भारत की वैश्विक भागीदारी को और सशक्त बनाने की जरूरत है, साथ ही प्रवासी भारतीयों से संबंधों को और गहरा करने पर भी बल दिया। यह 11वां मिशन प्रमुख सम्मेलन 28 से 30 अप्रैल तक नई दिल्ली के नेशनल एग्रीकल्चरल साइंस कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया गया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस वर्ष सम्मेलन का मुख्य विषय 2047 के लिए भारतीय कूटनीति में सुधार रखा गया, जिसका उद्देश्य विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए भविष्य की रणनीति तैयार करना था। सम्मेलन के दौरान भारत के राजदूतों, उच्चायुक्तों और वरिष्ठ अधिकारियों ने तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की कूटनीतिक पहुंच को और प्रभावी बनाने पर विचार-विमर्श किया। विभिन्न सत्रों में उभरती प्रौद्योगिकियों, भू-राजनीतिक बदलावों, व्यापार-तकनीक-पर्यटन (3टी) और भारत की वैश्विक छवि को मजबूत करने जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। रणधीर जायसवाल क्या बोले?- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री ने मिशन प्रमुखों को भविष्य के लिए तैयार कूटनीति, 3टी के विस्तार और भारत की वैश्विक कहानी को और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने पर मार्गदर्शन दिया। साथ ही उन्होंने वरिष्ठ और युवा राजनयिकों के विचार भी सुने और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए।इससे पहले, 29 अप्रैल को सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए जयशंकर ने कहा था कि पिछले दशक में भारत की वैश्विक भागीदारी में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक अस्थिर और तेजी से बदलती दुनिया में भारतीय कूटनीति राष्ट्रीय हितों की रक्षा और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

अखिलेश का योगी को जवाब: बोले- असली गिरगिट तो मुख्यमंत्री खुद हैं, जो नारी वंदन को नारा बनाना चाह रहे

लखनऊ में समाजवादी पार्टी कार्यालय पर बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। बौद्ध भिक्षुओं ने वंदना और उपदेशों के माध्यम से शांति, समानता और करुणा का संदेश दिया। कार्यक्रम में सामाजिक मुद्दों पर भी चर्चा हुई और बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए, जिससे धार्मिक और सामाजिक एकता का माहौल बना।लखनऊ में शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में अखिलेश यादव ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं और सामाजिक एकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय चुनौतीपूर्ण है और समाज को मिलकर आगे बढ़ने की जरूरत है। इस दौरान लुम्बिनी, सारनाथ और कुशीनगर के विकास के संकल्प को भी दोहराया गया। इस दौरान उन्होंने सीएम योगी के गिरगिट वाले बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री खुद असली गिरगिट हैं, जो नारी वंदन को नारा बनना चाहते हैं। वो बार-बार राजनीतिक परिस्थितियों के अनुसार बयान देते हैं। अब इनके सत्ता से जाने के दिन आ गए हैंये जनता का ध्यान अन्य समस्याओं से हटाना चाहते हैं महिला आरक्षण को लेकर उन्होंने कहा कि यह सभी दलों की सहमति से पारित हुआ था, लेकिन भाजपा इसे राजनीतिक मुद्दा बनाकर विपक्ष को गलत तरीके से पेश कर रही है। उनका आरोप था कि भाजपा इस मुद्दे को नारे के रूप में इस्तेमाल कर रही है, ताकि जनता का ध्यान अन्य समस्याओं से हटाया जा सके। उन्होंने परिसीमन और संशोधन बिल को लेकर भी सरकार की मंशा पर सवाल उठाए और कहा कि लंबे समय से डेटा एकत्र कर राजनीतिक रणनीति बनाई जा रही है। कानून-व्यवस्था पर हमला करते हुए उन्होंने 'बुलडोजर नीति' को कठघरे में खड़ा किया और हरदोई व वाराणसी की घटनाओं की निष्पक्ष जांच की मांग की। इसके अलावा, उन्होंने स्मार्ट मीटर योजना, गेहूं खरीद में देरी, श्रम कानूनों में बदलाव और अयोध्या मास्टर प्लान में बार-बार संशोधन जैसे मुद्दों पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपने करीबी लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए योजनाएं बना रही है। कुल मिलाकर, उन्होंने भाजपा को जनविरोधी बताते हुए कहा कि जनता अब बदलाव चाहती है और सरकार के दिन गिने हुए हैं।कार्यक्रम में सैकड़ों बौद्ध भिक्षु शामिल हुए और卐बुद्धं शरणं गच्छामि卐 के उद्घोष से माहौल गूंज उठा। भिक्षुओं ने बौद्ध धर्म के उपदेश पढ़े। इस दौरान एक भिक्षु ने मुलायम सिंह यादव के कार्यों की सराहना करते हुए महिलाओं के लिए उनके योगदान का उल्लेख किया और ओबीसी को संसद में आरक्षण देने की मांग उठाई। कुछ वक्ताओं ने ऋस्र पर भी टिप्पणी की। कहा कि गौतम बुद्ध की तरह मुलायम सिंह यादव ने महिलाओं के लिए काफी काम किया। ओबीसी को संसद में आरक्षण मिलना चाहिए। ऋस्र के लोग कभी महिलाओं के पक्ष में नहीं रहे।

सिलिंडर के दाम बढ़ने पर कांग्रेस आक्रामक: कहा- फिर चला महंगाई का चाबुक;राहुल बोले- अगला वार पेट्रोल-डीजल पर

कमर्शियल सिलिंडर की कीमतों में इजाफे को लेकर कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार हर माह कमर्शियल सिलिंडर की कीमतों में इजाफा कर रही है और इसे सरकार की वसूली करार दिया। व्यवसायिक सिलिंडर की कीमतों में हुई बढ़ोतरी को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने व्यवसायिक सिलिंडर की कीमतों में उछाल के मुद्दे पर सरकार पर तीखा हमला बोला। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा, %महंगाई मैन मोदी% का चाबुक फिर

चला। आज कमर्शियल सिलिंडर 993 रुपए महंगा हुआ। मोदी ने पिछले 4 महीने में कमर्शियल सिलिंडर के दाम इस तरह बढ़ाए।%कांग्रेस ने कहा, %कमर्शियल सिलिंडर सिर्फ 4 महीने में 1,518 रुपए महंगा हो गया। अभी साल के 8 महीने बाकी हैं। मोदी की वसूली जारी है...। मोदी सरकार सिर्फ वसूली करना जानती है। अब 5 किलो वाला छोटू सिलिंडर भी महंगा कर दिया। पहले आधार कार्ड पर सिलिंडर बांटे, फिर उसका दाम बढ़ा दिया। ये बड़े चालबाज लोग हैं।%लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कमर्शियल सिलिंडर के दाम बढ़ने पर सरकार को आड़े हाथों लिया। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा, %कह दिया था- चुनाव के बाद महंगाई की गर्मी आएगी। आज कमर्शियल गैस सिलिंडर 993 रुपये महंगा। एक ही दिन में सबसे बड़ी बढ़ोतरी। यह चुनावी बिल है। फरवरी से अब तक 1380 रुपये की बढ़ोतरी हुई और सिर्फ 3 महीनों में 81 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

60 यात्रियों से भरी बस पलटी, बुद्ध पूर्णिमा पर जा रहे थे गंगा नहाने; 25 अस्पताल में भर्ती

हरदोई जनपद के हरपालपुर से सुबह प्राइवेट बस में करीब 60 यात्री सवार हुए। चालक बस को तेजी भगा रहा था। कुछ यात्रियों ने उससे सही से बस चलाने के लिए भी कहा। पर उसने एक नहीं सुनी। इस बीच गांव रघुनाथपुर के पास आगे चल रहे वाहन को ओवर टेक करने के प्रयास में बस पलट गई।यूपी के हरपालपुर से 60 यात्रियों को बैठाकर फर्रुखाबाद आ रही प्राइवेट बस शाहजहांपुर के अल्लाहगंज थाना क्षेत्र में गांव रघुनाथपुर के पास शुक्रवार को ओवरटेक करने के दौरान पलट गई। इससे 25 यात्री घायल हो गए। इनमें 11 को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। अन्य वहीं उपचार हुआ। बस में सवार अधिकांश यात्री बुद्ध पूर्णिमा के चलते पांचाल घाट पर गंगा स्नान करने जा रहे थे।हरदोई जनपद के हरपालपुर से सुबह प्राइवेट बस में करीब 60 यात्री सवार हुए। चालक बस को तेजी भगा रहा था। कुछ यात्रियों ने उससे सही से बस चलाने के लिए भी कहा। पर उसने एक नहीं सुनी। इस बीच गांव रघुनाथपुर के पास आगे चल रहे वाहन को ओवर टेक करने के प्रयास में बस पलट गई। इससे चीख पुकार मच गई। पुलिस व आसपास के ग्रामीणों ने बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इसमें 25 यात्री घायल हो गए। एंबुलेंस से 11 घायल यात्रियों को लोहिया अस्पताल भेजा गया है। इनमें से नौ को भर्ती कर लिया गया। दो यात्रियों को मरहम पट्टी के बाद छुट्टी दे दी गई।

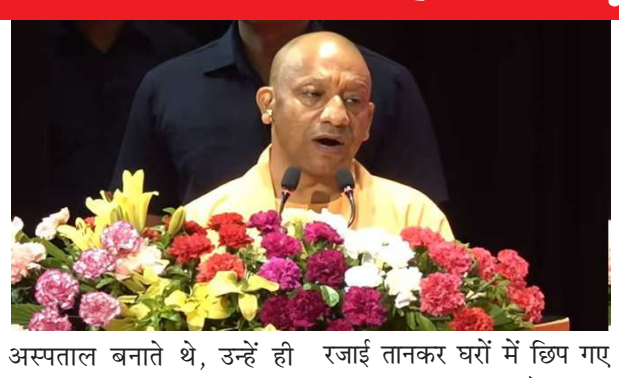

श्रमिक दूसरों के घर में इज्जत घर बनाते थे, उनकी इज्जत सड़कों पर दिखती थी, योगी बोले-अब ऐसा नहीं है

मजदूर दिवस पर सीएम योगी ने श्रमवीर गौरव समारोह 2026 का शुभारंभ किया। साथ ही श्रमिक कल्याण की विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण हुआ।राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को श्रमवीर गौरव समारोह 2026 का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने श्रमिक कल्याण की विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया। इस मौके पर सीएम ने श्रमिकों को प्रमाणपत्र और टूल किट देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित हुआ। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि अटल आवासीय छात्रों को मेरिट सूची में स्थान हासिल करने पर बधाई। प्रधानाचार्यों को भी शुभकामनाएं। हमारा श्रमिक किसी भी मौसम में काम करता है। वह न रुकता है, न थकता है, न डिगता है। आपके पसीने की बूंद से धरती माता सोना उगलता है। जो श्रमिक दूसरे के घरों में इज्जत घर बनाते थे, उनकी इज्जत सड़कों पर दिखती थी। जो दूसरे के लिए अन्न उपजाते थे, उनके बच्चे खाने को परेशान थे। जो बड़े बड़े

अस्पताल बनाते थे, उन्हें ही इलाज नहीं मिलता था। आज ऐसा नहीं है। श्रमिक भी सरकारी एजेंडे का हिस्सा बन सकता है, ये तभी संभव है जब संवेदनशील सरकार बनती है। सीएम ने आगे कहा कि कोरोना कालखंड में सारे विपक्षी रातनेता रजाई तानकर घरों में छिप गए थे। उस समय केवल और केवल डबल इंजन सरकार थी। हम लोगों ने एक साथ 14 हजार बसें भेजीं। हमने कहा यहां पर कहीं का भी श्रमिक आए सबको फ्री में रहना और खाना देंगे। आज कोरोना के बाद भी सबको फ्री में राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। पीएम मोदी ने श्रमिकों के लिए सामाजिक गारंटी की व्यवस्था की। उन्होंने कहा कि यूपी में श्रम एवं सेवायोजन मंत्रालय द्वारा बेहतर काम किया गया। आज गोरखपुर में 200 श्रमिकों के बेटियों की शादी खुद मंत्री उपस्थित रहकर उनकी आवभगत करेंगे। विधायक के घर की शादी में जाएं या न जाएं, लेकिन श्रमिकों की बेटियों की शादी में मंत्री खुद जा रहे हैं। आज यूपी के लोगों को यूपी के अंदर ही काम मिल रहा है। 9 वर्षों में 18 हजार से अधिक नए उद्योग लगे। 65 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। आज यूपी भारत का ग्रोथ इंजन बनकर खड़ा है। पैसे देने के समय टरका देते थे। लेकिन, हमने कहा कि काम कराओगे तो काम के बदले दाम देना पड़ेगा। यदि कोई दाम देने में हीलाहवाली करेगा तो उसका इलाज सरकार करेगी। 80 लाख के आसपास लोगों को पांच लाख तक के निशुल्क इलाज की व्यवस्था की है। हमने अभी उद्योगों में काम करने वाले श्रमिकों का कुछ मानदेय बढ़ाया है। दुर्घटना में मृतक श्रमिकों के लिए पांच लाख का बीमा कवर देने जा रहे हैं। सबकी इज्जत की पूरी ठेकेदारी सरकार की- ब्रजेश पाठक डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि आज प्रदेश हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने देशी अंदाज में लोगों से संवाद किया।अच्छी व्यवस्था है कि नहीं। काम करै के बाद जौन गारी गुप्ता करत रहे, आज उईं डेरात हैं कि नहीं? तुम्हार इज्जत की पूरी ठेकेदारी सरकार की है। कौनो दिक्कत होए तो हमका लिख भेजेएव। पीएम मोदी ने श्रमिकों के पैर धोकर सम्मानित किया

संपादकीय Editorial

Shootout at Trump

The attempted attack on President Trump not only highlights the gaps in his security system but also compels us to reflect on the dangerous and deadly gun culture in America. President Trump, Vice President Vance, and several cabinet ministers were targeted at the Hilton Hotel in Washington. This is a truly horrifying thought. However, it is a matter of relief that the approximately 2,600 guests present in that hotel hall were also saved. Their breath must have been taken away by fear and terror! The occasion was a dinner for White House reporters. This dinner has long been considered a symbol of freedom of expression and the relationship between the president and the media. Many VIPs are also invited. Security personnel maintain strict vigilance and vigilance. In those moments, an American citizen was filled with hatred, anger, and disgust toward the Trump administration, as the attacker had called President Trump a "traitor" and a "rapist" in a message sent to his family. If this is considered the basis of the average American's attitude and perception of the president, then President Trump's domestic situation is also dire and worrying. However, we condemn and reject any violent attack or conspiracy against an elected representative, and believe that the law will severely punish such an attacker. America has lost four presidents, from Abraham Lincoln to John F. Kennedy, who were assassinated. In this same Hilton Hotel, on March 30, 1981, an attempt was made to assassinate then-President Ronald Reagan. However, from Reagan to Trump, numerous incidents and attacks have occurred in which presidents narrowly escaped or were saved by the alertness of Secret Service commando-type personnel. This was the fourth attack on Trump before and after he became president. In one attack, the attacker's bullet barely grazed Trump's ear. However, in an ancient, robust democracy like America, this level of hatred and violence is truly concerning. This should be completely unacceptable, and the Trump administration should seriously reflect on this and change the system.

Guns should not be readily available. It's not as if the attacker, Cole Thomas Allen, was an uneducated member of a violent Black group or a professional criminal. He is a trained engineer and a teacher at the coaching institute C-2. He even received the "Teacher of the Month" award from C-2 in December 2024. How could such a person even contemplate such a "political assassination"? Eyewitnesses say the attacker fired 7-8 rounds and even passed two security points. He could have even reached the President and guests! But Secret Service personnel apprehended him there. The attacker was located a considerable distance from the hall where President Trump and all the guests were present, but no possibility of an attempted attack can be ruled out. A shotgun, a handgun, two handguns, and several knives were recovered from the attacker. Was Allen on the path to becoming a professional criminal? An Iran connection also emerged in connection with this attack, and many concerns were raised, but President Trump dismissed them. The US President should also consider the Iran issue very seriously. This war is also a result of America's imperialist thinking, but despite destroying Iran, the US has achieved nothing concrete. Trump has until May 1st. Ultimately, this issue will be raised in the US Congress. The President may get 20 more days, but during that time, troops, warships, fighter jets, etc. will have to be withdrawn. President Trump will still be disgraced. Therefore, in light of this attack, Trump must take a decision that can put an end to the devastation and begin a new chapter of peace and stability. For now, they should reject the politics.

Ruthless Weather: The Power to Ease Summer's Heat is in Human Hands

Increasing heat and climate change have now become a serious health emergency. Only by being vigilant, drinking plenty of fluids, and adopting an environmentally responsible lifestyle can we protect ourselves from this deadly heat wave and future crises. These days, the entire Indian subcontinent, including India, has turned into a furnace, where the sky is pouring fire. From the scorching dunes of Rajasthan to the concrete jungles of Delhi and Uttar Pradesh, temperatures are consistently exceeding 45 degrees Celsius. Banda, Uttar Pradesh, has been recorded as the world's hottest city, reaching 47.6 degrees Celsius. This is not just a statistic, but a warning, a warning we have long ignored. The heat wave, once considered a normal weather phenomenon, has now become more dangerous, prolonged, and deadly. It not only scorches our bodies but also exposes the weaknesses of our cities and development models. These days, the entire Indian subcontinent, including India, has turned into a furnace, where the sky seems to be pouring fire. From the scorching dunes of Rajasthan to the concrete jungles of Delhi and Uttar Pradesh, temperatures are consistently exceeding 45 degrees Celsius. Banda in Uttar Pradesh has been recorded as the world's hottest city, with temperatures reaching 47.6 degrees Celsius. This is not just a statistic, but a warning—a warning we have long ignored. The heat wave, once considered a normal seasonal phenomenon, has now become more dangerous, prolonged, and deadly. It is not only scorching our bodies but also exposing the weaknesses of our cities and development models. There are many layers to the increasing heat. The biggest cause is climate change, which is no longer a topic of debate but a harsh reality. Rising greenhouse gases in the atmosphere are trapping the earth in a trap where heat cannot escape. Additionally, weather conditions like anti-cyclonic circulation further heat the air, compressing it. The El Niño effect has also been active this year, disrupting monsoon patterns and intensifying dry, hot winds. Increasing concrete, decreasing tree cover, and haphazard construction in cities have created "urban heat islands," where the heat doesn't subside even at night. When temperatures exceed 45 degrees, it becomes not just an inconvenience but a health emergency. The risk of heat stroke increases rapidly, in which the body's ability to regulate temperature fails. This can affect the brain, heart, and kidneys. Excessive sweating leads to a loss of water and salt in the body, a condition known as dehydration. Symptoms such as dizziness, fatigue, and muscle cramps are becoming common. Those most at risk are those who work outdoors and have no other option to escape the heat. The first step in combating extreme heat is vigilance. Continue to drink water or fluids even if you don't feel thirsty. ORS, lemon water, buttermilk, and coconut water keep the body balanced. Avoid going out between 12 and 4 pm. Wear light, loose-fitting cotton clothing. Keep your head covered with a cloth or cap. Limit heavy and fried foods in your diet. Include water-rich fruits like watermelon and cucumber. If you feel dizzy, nervous, or faint, don't take it lightly. Immediately go to a cool place and seek medical help. We often think that protecting the environment is only the government's responsibility, but the truth is that ordinary citizens can bring about the biggest change. Conserve electricity, especially during peak hours. Adopt solar panels and rainwater harvesting on rooftops. Plant trees on your home, balcony, or terrace. Use public transportation instead of private vehicles. These small steps, taken together, lay the foundation for big change. Furthermore, at the government level, now is the time not just to make plans but to implement them. The government must strictly implement the "Heat Action Plan." Developing "urban forests" in cities, electrifying public transport, and promoting "cool roof" technology in buildings is essential. Public spaces should provide drinking water, shaded shelters, and special "heat wards" in hospitals. Conserving water bodies and removing encroachments should also be a priority. Today's intense heat isn't just a weather phenomenon; it's a message from nature. If we don't address our lifestyle, consumption, and environmental concerns, the coming years will be even more challenging. We must understand that development and nature aren't at odds. True development is one that strikes a balance. Ultimately, it's not just about heat, it's about our very existence.

If ethanol is the future, why is the world still running on oil?

Ethanol, as a domestically produced biofuel, offers a path to reducing this vulnerability. It promises foreign exchange savings, supports rural incomes, and contributes to cleaner emissions. If vehicles can run on 85 percent or even 100 percent ethanol, why is the world still dependent on oil? This question is at the heart of India's current energy debate. As geopolitical tensions rise, especially in West Asia, and global oil markets remain volatile, India is accelerating its efforts toward ethanol blending. The country has already achieved E20 ahead of schedule and is now discussing paths toward E85 and even E100. At first glance, this appears to be a bold and necessary step toward energy independence. But closer examination reveals a more complex reality. The transition to higher ethanol blends is not just a technological shift. It is an economic, agricultural, and structural transformation that involves significant trade-offs. The strategic rationale behind ethanol is compelling. India imports approximately 85 to 87 percent of its crude oil needs. This dependence makes the country vulnerable to external shocks. Any disruption to global supply chains—whether due to conflict, sanctions, or shipping bottlenecks—can directly impact fuel prices and household budgets. Ethanol, as a domestically produced biofuel, offers a path to mitigate this vulnerability. It promises foreign exchange savings, supports rural incomes, and contributes to cleaner emissions. India's progress so far has been remarkable. The country transitioned from E10 to E20 faster than expected, with nationwide rollout completed in April 2026. Policymakers highlight the significant foreign exchange savings resulting from reduced crude oil imports. Administratively, the program has been efficient and decisive. However, moving from E20 to higher blends like E85 or E100 is not a linear progression. It is a structural leap that demands systemic readiness. The first hurdle is scientific. Ethanol has a lower energy density than gasoline. This means vehicles require more fuel to travel the same distance. While E20 results in a slight reduction in mileage, higher blends can lead to a significant drop in fuel efficiency. Practically, even if the price of ethanol per liter is lower, the cost per kilometer may not decrease. Consumers may ultimately refuel more frequently, which will offset any apparent savings at the pump. The second issue is vehicle compatibility. Most vehicles currently plying on Indian roads are designed for E10 or, at most, E20.

Higher ethanol blends can impact engine performance and durability. Ethanol is more corrosive and absorbs moisture, which can damage fuel systems, deteriorate rubber components, and lead to problems such as clogged injectors and cold starts. Flex-fuel vehicles, designed to handle a wide range of ethanol blends, are still limited in India. Expanding to E85 or E100 would require either a rapid transition or extensive retrofitting of such vehicles, both of which involve significant costs. Infrastructure is another serious challenge. Ethanol requires dedicated storage, transportation systems, and distribution infrastructure. Although blending facilities have expanded, the broader ecosystem is still developing. Pump-level availability, logistics integration, and supply continuity remain uneven. Without addressing these shortcomings, higher blending targets risk operational inefficiencies. Beyond technology and infrastructure, the most serious concerns lie in agriculture and resource use. Ethanol production in India relies heavily on crops like sugarcane, maize, and rice. In a country where food security remains a priority, these are not surplus commodities. Diverting them to fuel production creates a direct tension between food and energy needs. Rising maize prices and increased imports are early indicators of this shift. Over time, this large-scale crop diversion could contribute to food inflation and distort cropping patterns. Water use adds another layer of complexity. Sugarcane, a primary raw material for ethanol, is a highly water-intensive crop. In many areas, especially in parts of Maharashtra and Karnataka, groundwater levels are already under pressure.

Expanding ethanol production on a large scale would require substantial additional water, raising concerns about sustainability. Energy independence achieved at the expense of water security would be a dubious compromise. Comparisons with Brazil, often cited as a successful model, need to be interpreted cautiously. Brazil's ethanol program began in the 1970s and evolved over decades. Today, most vehicles there are flex-fuel, ethanol is price competitive, and supporting infrastructure is well established. In contrast, India is attempting to accelerate this transition within a much shorter timeframe without comparable ecosystem maturity. The structural conditions are different, and so are the risks. The economic rationale also needs to be examined. Claims of significantly cheaper fuel through ethanol often overlook key factors. The production cost of ethanol is not necessarily lower than that of petrol. When combined with lower fuel efficiency, the overall cost advantage becomes uncertain. A lower price per liter does not automatically translate into lower transportation costs for consumers. This does not mean that ethanol is a flawed strategy. On the contrary, it remains a vital component of India's broader energy transition. It can reduce emissions, diversify the energy mix, and create new economic opportunities in rural areas. But its role should be balanced rather than overstretched. A more balanced approach would include consolidating the benefits derived from E20, gradually increasing blending levels where possible, and promoting the adoption of flex-fuel vehicles in a phased manner. Greater emphasis should also be placed on second-generation ethanol produced from agricultural waste, which reduces pressure on food crops and water resources. Furthermore, ethanol should be viewed as part of a larger energy portfolio that includes electric mobility and green hydrogen. Energy transitions are inherently complex. They require coordination between policy, technology, markets, and social realities. Ethanol offers a promising path, but it is not a universal solution. Therefore, the central question is not whether India can move to 100 percent ethanol. The question is whether the country is prepared to do so without creating new vulnerabilities. Because if the pursuit of energy security leads to higher food prices, water scarcity, and increased costs for consumers, the solution may ultimately shift the burden rather than alleviate it. Ethanol could become a bridge to a more secure energy future. But bridges must be built carefully. Otherwise, they risk collapsing under the weight of their own ambition.

सुरक्षा से खिलवाड़ : बिना नवीनीकरण दौड़ रहे 234 स्कूली वाहन

मुरादाबाद । जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर एक बड़ा मामला सामने आया है। बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र, टैक्स, परमिट और फिटनेस जैसे अनिवार्य दस्तावेजों का नवीनीकरण कराए बिना 234 स्कूली वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं। इससे हजारों बच्चों की जान जोखिम में पड़ रही है।गुरुवार को संभागीय परिवहन अधिकारी राजेश सिंह ने बताया कि खुलासा तब हुआ जब परिवहन विभाग ने पोर्टल पर स्कूली वाहनों का डेटा अपलोड किया। जांच में मिला कि बड़ी संख्या में वाहन निर्धारित मानकों का पालन नहीं कर रहे हैं और समय सीमा समाप्त होने के बावजूद उनका नवीनीकरण नहीं कराया गया है। इस लापरवाही ने विभागीय व्यवस्था के साथ-साथ स्कूल प्रबंधन की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए परिवहन विभाग ने सभी स्कूलों को नोटिस जारी कर आवश्यक दस्तावेजों के तत्काल नवीनीकरण के निर्देश दिए हैं। नोटिस में 30 अप्रैल तक की अंतिम समय सीमा निर्धारित की गई थी। विभाग ने चेतावनी दी है कि जो वाहन इस अवधि तक नवीनीकरण नहीं कराएंगे, उनका पंजीकरण रद्द कर दिया जाएगा। इसके अलावा ऐसे वाहनों को सड़कों पर चलते पाए जाने पर चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए जाएंगे और संबंधित स्कूलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उनकी मान्यता रद्द की जा सकती है। सख्त रुख से स्कूल संचालकों में हड़कंप मच गया है।

कई ट्रेनों में लगाए जाएंगे अस्थायी रूप से अतिरिक्त स्लीपर कोच

मुरादाबाद । गर्मी के दौरान सफर में रेल यात्रियों की सुविधा के लिए कई गाड़ियों में अस्थाई रूप से अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाने का निर्णय रेल मंडल प्रशासन ने लिया है। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने बताया कि गाड़ी संख्या 04010 (दिल्ली - सीतामढ़ी) में सात मई को और गाड़ी संख्या 04009 (सीतामढ़ी- दिल्ली) में नौ मई को एक अतिरिक्त स्लीपर कोच अस्थाई रूप से लगाया जाएगा।इसके साथ ही गाड़ी संख्या 14207 (मां बेहला देवी धाम प्रतापगढ़- दिल्ली) में नौ मई से 15 मई तक और गाड़ी संख्या 14208 (दिल्ली- मां बेहला देवी धाम प्रतापगढ़) में 12 से 18 मई तक एक अतिरिक्त स्लीपर कोच अस्थाई रूप से लगाया जाएगा। जबकि गाड़ी संख्या 14205 (अयोध्या कैंट- दिल्ली) में 11 से 17 मई तक व गाड़ी संख्या 14206 (दिल्ली- अयोध्या कैंट) में 10 से 16 मई तक एक अतिरिक्त स्लीपर कोच अस्थाई रूप से लगाया जाएगा। वहीं गाड़ी संख्या 22420 (आनंद विहार टर्मिनल- गाजीपुर सिटी) में नौ मई से 14 मई तक और गाड़ी संख्या 22419 (गाजीपुर सिटी- आनंद विहार टर्मिनल) में 10 से 15 मई तक अस्थाई रूप से एक अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाया जाएगा।

जल जीवन मिशन में खोदी गई सड़कों की मरम्मत न करने पर ठेकेदारों पर होगी एफआईआर

मंडलायुक्त की अध्यक्षता में कमिश्नरी सभागार में सीएम डैशबोर्ड, कर-करेत्तर एवं राजस्व प्राप्तियों की मंडलीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बेसिक शिक्षा, गौ आश्रय स्थलों की व्यवस्था, जल जीवन मिशन, राजस्व वसूली और अन्य विभागीय योजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए है।मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह ने बेसिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए मिड-डे मील में किसी भी प्रकार की अनियमितता पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। विद्यालयों द्वारा किताबों की अनिवार्य खरीद और निर्धारित से अधिक शुल्क वसूली की शिकायतों की जांच कर कार्रवाई करने को कहा गया। साथ ही नामांकन, शिक्षक उपस्थिति और शिक्षण स्तर पर मासिक रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए।गौ आश्रय स्थलों की समीक्षा के दौरान रामपुर, बिजनौर और सम्भल की स्थिति पर चिंता जताई गई। सभी जिलाधिकारियों को निर्देश में गोशालाओं में हरे चारे की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और पशुओं को पौष्टिक आहार मिले। साथ ही नस्ल सुधार,बधियाकरण और गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर भी जोर दिया गया। वहीं आगामी गर्मी को देखते हुए पशुओं को हीट स्ट्रोक से बचाने के लिए मंडल के सभी तालाबों को समय से भरवाने के निर्देश दिए गए। ग्रामीण क्षेत्रों और गोशालाओं से जुड़े जल स्रोतों को प्राथमिकता देने की बात कही है। जल जीवन मिशन के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत न कराने वाले ठेकेदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए। सभी जिलों को ए कैटेगरी में लाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया। राजस्व वसूली और योजनाओं की प्रगति पर नाराजगी बैठक में राजस्व वसूली की स्थिति पर असंतोष जताते हुए अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सीएम डैशबोर्ड पर कई योजनाओं की स्थिति कमजोर पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को सुधार के निर्देश दिए गए। मंडलायुक्त ने जनसुनवाई और आईजीआरएस शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण, पेंशन योजनाओं के लंबित मामलों को जल्द निपटाने, मनरेगा कार्यों में सुधार, खाद्यान्न दुकानों के आवंटन में तेजी और गेहूं खरीद बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके अलावा विद्युत आपूर्ति में सुधार, ट्रांसफार्मर बदलने में तेजी, गड्ढामुक्त सड़कों का निर्माण और दुग्ध भुगतान व्यवस्था मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में मंडल के सभी जिलाधिकारियों, मुख्य विकास अधिकारियों और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अमरोहा में बड़ा हादसा: अनियंत्रित डंपर ने टेंपो को मारी जोरदार टक्कर, 100 मीटर तक घसीटा, दो की चली गई जान

रजबपुर थाना क्षेत्र में अमरोहा-अतरासी मार्ग पर तेज रफ्तार डंपर ने टेंपो को टक्कर मारकर करीब 100 मीटर तक घसीट दिया। इसमें टेंपो चालक पिंटू (32) और नीरज (38) की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक फरार हो गया। रजबपुर थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में टेंपो सवार नीरज (38) की मौत हो गई। शुक्रवार तड़के हुए अनियंत्रित डंपर ने टेंपो को करीब 100 मीटर तक टकराने के बाद टेंपो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद आरोपी चालक डंपर छोड़कर मौके से फरार हो गया।पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद अज्ञात चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह हादसा अमरोहा-अतरासी मार्ग पर गांव सूदनपुर के पास शुक्रवार सुबह करीब चार बजे हुआ। अमरोहा नगर के फ्रेंड्स कॉलोनी निवासी पिंटू टेंपो चालक थे और अमरोहा की मंडी में काम करते थे।उनके साथ मोहल्ला काला कुआं निवासी नीरज कुमार भी टेंपो पर कार्य करता था। दोनों शुक्रवार रात अंगूर लादकर हापुड़ मंडी गए थे और देर रात वापस लौट रहे थे। जैसे ही दोनों अतरासी से अमरोहा की ओर बढ़ते हुए सूदनपुर के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रहे डंपर ने गलत दिशा में जाकर टेंपो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि डंपर टेंपो को लगभग 100 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया और अंत में सड़क किनारे पेड़ से जा टकराया। हादसे में टेंपो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार पिंटू व नीरज गंभीर रूप से फंस गए। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद टेंपो में फंसे दोनों युवकों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद चालक डंपर को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया। सीओ अभिषेक यादव ने बताया कि अज्ञात डंपर चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। उसकी तलाश की जा रही है। पोस्टमार्टम के बाद दोनों शव परिजनों को सौंप दिए गए, जिनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस हादसे से मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

अमरोहा से बच्चों के डॉक्टर गायब: घर से अस्पताल के निकले थे सुबह, एसओजी और सर्विलांस टीम जांच में जुटी

अमरोहा के चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉ. शिव कुमार शुक्रवार सुबह अस्पताल के लिए निकले थे लेकिन लापता हो गए। इसके बाद मोबाइल बंद होने से परिजनों की चिंता बढ़ गई है। पत्नी की तहरीर पर पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम जांच में जुटी है।अमरोहा के जाने-माने चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉ. शिव कुमार के अचानक लापता होने से परिजनों और अन्य में हड़कंप मच गया। शुक्रवार सुबह वह अस्पताल के लिए निकले थे। उनका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है, जिससे परिजन बेहद परेशान हैं। पत्नी ने देहात थाने में तहरीर देकर सकुशल बरामद करने की मांग की है।मामले में पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम जांच में जुटी है। डॉ. शिव कुमार अपनी पत्नी टीना और दो बच्चों के साथ जोया रोड स्थित ग्रीन्स कॉलोनी में रहते हैं। मोहल्ला जय ओम नगर में उनका प्रकाश चिल्ड्रन हॉस्पिटल नाम से अस्पताल है, जबकि जोया रोड पर एक नया क्लीनिक निर्माणाधीन है।तहरीर के मुताबिक शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे डॉ. शिव कुमार अपनी कार से अस्पताल के लिए निकले थे, लेकिन इसके बाद उनका कोई पता नहीं चला। जब काफी देर तक डॉक्टर अस्पताल नहीं पहुंचे तो उनकी तलाश शुरू की गई। घर से लेकर अस्पताल तक हर जगह खोजबीन की गई, लेकिन न तो डॉक्टर का कोई सुराग मिला और न ही उनकी कार का पता चल सका। मोबाइल फोन बंद होने के कारण संपर्क भी नहीं हो पा रहा है। घटना से चिंतित पत्नी टीना ने अमरोहा देहात थाने में तहरीर देकर पति की तलाश की मांग की है। उन्होंने पुलिस से जल्द कार्रवाई कर डॉक्टर को सकुशल बरामद करने की गुहार लगाई है। उधर, डॉक्टर के अचानक लापता होने की खबर से इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पदाधिकारी भी हैरान हैं और लगातार जानकारी जुटा रहे हैं। सीओ अवध भवन भदौरिया ने बताया कि डॉक्टर की तलाश के लिए एसओजी व सर्विलांस टीम की मदद ली जा रही है। हालांकि, मोबाइल नंबर बंद होने के कारण लोकेशन ट्रेस करने में कुछ दिक्कत आ रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही डॉ. शिव कुमार गुप्ता को सकुशल बरामद कर लिया जाएगा।

मुरादाबाद में हादसा: आंधी में बाइक सवारों पर गिरे पेड़, एक की मौत, फौजी समेत पांच लोग घायल

तेज आंधी के कारण पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। बबली की जान गई, रिजवान गंभीर घायल है। फौजी प्रदीप, उनकी माता सुशीला और बेटे देवांश भी घायल हुए।मंडल में चली तेज आंधी के बीच मुरादाबाद के छजलैट और अमरोहा के मंडी धनौरा में बाइक सवारों पर पेड़ की डाल टूटकर गिर गई। इस हादसे में एक की मौत हो गई। जबकि फौजी समेत पांच लोग घायल हो गए।छजलैट के गांव भीकनपुर निवासी बबली (42), रिजवान और आमिर राज मिस्त्री का काम करते हैं। बृहस्पतिवार की शाम यह तीनों कांठ के उमरी कलां से काम करके एक ही बाइक से अपने घर लौट रहे थे। तीनो बिजनौर मार्ग स्थित छजलैट के गांव मथाना और रजपुरा के बीच पहुंचे तो अचानक तेज आंधी आ गई। सड़क किनारे खड़े पेड़ की डाल टूटकर उनकी बाइक पर गिर गई जिससे तीनों गंभीर घायल हो गए। घायलों को कांठ सीएचसी लाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने बबली और रिजवान को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं आमिर को इलाज के बाद घर भेज दिया गया। परिजन दोनों को लेकर निजी अस्पताल पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने बबली को मृत घोषित कर दिया। वहीं रिजवान की हालत नाजुक बनी हुई है। दूसरी ओर मंडी धनौरा क्षेत्र के गांव पालनपुर निवासी प्रदीप सिंह सेना में हैं। वह बृहस्पतिवार की शाम अपनी माता सुशीला देवी और बेटे देवांश के साथ बाइक से गांव जा रहे थे। कमेलपुर रोड पर एक पेट्रोल पंप के पास आंधी में एक पेड़ टूटकर उनकी बाइक पर गिर गया। तीनों पेड़ के नीचे दब गए। उधर से गुजर रहे लोगों ने तीनों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। सुशीला देवी के सिर में गंभीर चोटें आई है। उन्हें गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

करंट की चपेट में आकर मासूम की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

घर में खेलते समय चार साल की मासूम सृष्टि की करंट की चपेट में आकर मौत हो गई। अचानक मौत से मां का रो-रोकर बुरा हाल है। शुक्रवार सुबह को नगर के मोहल्ला फर्राशान निवासी विक्रम की बेटी सृष्टि घर में खेल रही थी। खेलते समय बिजली के तार में कहीं कट लगा हुआ था। इस कट के कारण मासूम को करंट ने अपनी चपेट में ले लिया। घटना के दौरान चीख निकलने पर बिजली बंद की, उसके बाद परिवार के लोग मासूम को सीधे शाहबाद सीएचसी लेकर आए।इमरजेंसी में तैनात डॉक्टर मोहित रस्तौगी ने मासूम को देखकर मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनकर परिवार के लोगों में चीख पुकार मची हुई है।

मौलाना की शर्मनाक करतूत: बुर्काधारी महिला को अकेली देख पीछे से दबोचा, CCTV में कैद हुई वारदात

मुरादाबाद के मुगलपुरा में एक मौलाना ने बुर्काधारी महिला से छेड़छाड़ की, जिसकी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। पुलिस ने महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी मौलाना की तलाश में पांच टीमें लगाई गई हैं।मुगलपुरा क्षेत्र के बरवालान में मौलाना ने दुस्साहस किया। गली से होकर अपने घर जा रही बुर्काधारी महिला को मौलाना ने पीछे से पकड़ लिया और छेड़छाड़ की। महिला ने शोर मचाया तो आरोपित भाग निकला। लोगों ने पीछा किया, लेकिन वह हत्थे नहीं लगा। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। गुरुवार को फुटेज इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुई तो पुलिस हरकत में आई। सबसे पहले महिला को चिह्नित किया गया। शिकायती पत्र के आधार पर अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। आरोपित को भी चिह्नित कर लिया गया है जो कटघर के मकबरा का निवासी है।क्षेत्र के एक मुहल्ला निवासी बुर्काधारी महिला बुधवार को दोपहर बाजार से अकेली खरीदारी करने के लिए गई थी। वापस लौटते समय महिला बरवालान में एक गली से होकर घर जा रही थी। इसी बीच महिला को कटघर क्षेत्र के मकबरा निवासी एक मौलाना ने देख पीछा शुरू कर दिया।मगर, महिला आरोपित का इरादा भांप नहीं पाई। जैसे ही वह गली के बीच में पहुंची तो पीछे से मौलाना ने महिला को दबोच लिया और छेड़छाड़ करने लगा। महिला ने तुरंत शोर मचा दिया। इसके बाद आरोपित पीछे की तरफ भाग पड़ा। दोपहर में गली सुनसान थी। जब तक लोग अपने घरों से बाहर निकलकर आते तब तक आरोपित भाग गया। वारदात से महिला इस कदर सहम गई कि पुलिस से शिकायत करने की भी हिम्मत नहीं जुटा सकी। मगर, घटना सीसीटीवी में कैद होने के चलते जब वीडियो प्रसारित हुआ तब हलचल बढ़ी। नौ और 17 सेकेंड की दो वीडियो के आधार पर पुलिस महिला तक पहुंची। महिला से पूरे घटनाक्रम की जानकारी की। मगर, सहमी महिला ने किसी भी कार्रवाई से इन्कार किया। पुलिस के समझाने पर महिला हिम्मत जुटा सकी और आरोपित के विरुद्ध कार्रवाई के लिए शिकायती पत्र दिया। अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी लिखकर पुलिस ने फुटेज के आधार पर मौलाना की पहचान की जो कटघर के मकबरा का निवासी निकला। वह घर से फरार है। मोबाइल भी बंद है। उसकी तलाश में एसओजी समेत पुलिस की पांच टीमें लगी हुई है।शिकायती पत्र के आधार पर आरोपित के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। उसकी तलाश में पांच टीमें लगी हुई है। जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।- कुमार रणविजय सिंह, एसपी सिटी

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

अमरिया में 'मिट्टी माफिया' बेलगाम! अवैध खनन, लाखों का खेल – जिम्मेदार बने मूकदर्शक

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / अमरिया (पीलीभीत)। तहसील अमरिया के ग्राम बहरुआ में अवैध खनन का चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां नियम-कायदों को धता बताकर कई एकड़ भूमि से 4-5 फीट तक मिट्टी खोद डाली गई। आरोप है कि यह पूरा खेल संगठित तरीके से चलाया जा रहा है।

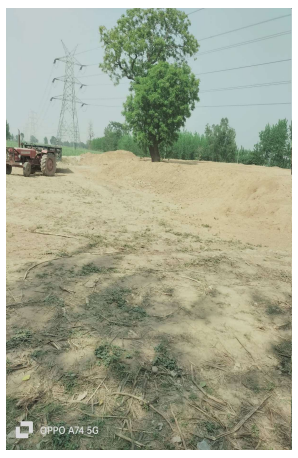

खनन की गई मिट्टी को गांव के ही धर्मेंद्र पुत्र दोधराम के खेत में कई फीट ऊंचे ढेर के रूप में जमा कर दिया गया है, जो अब छोटे पहाड़ जैसा नजर आ रहा है। यह दृश्य खुद अवैध खनन की कहानी बयां कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, इस मिट्टी को 2000 रुपये प्रति ट्रॉली के हिसाब से बेचा जा रहा है। इस अवैध कारोबार से जुड़े लोग लाखों की कमाई कर रहे हैं, जबकि सरकार को भारी राजस्व नुकसान उठाना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायतें देने के बावजूद अधिकारियों ने सिर्फ खानापूर्ति के लिए मौके का निरीक्षण किया और फिर चुपचाप लौट गए। अब चर्चा है कि खनन माफिया और विभागीय अधिकारियों के बीच सांठगांठ कर मामले को दबाया जा रहा है।स्थानीय लोगों के अनुसार, इस अवैध धंधे में योगेश भसीन के साथ करीब एक दर्जन लोग शामिल हैं, जो मिलकर इस पूरे नेटवर्क को चला रहे हैं और मुनाफा बांट रहे हैं।

ग्रामीणों ने प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि अगर जल्द ही सख्त कदम नहीं उठाए गए तो अवैध खनन का यह खेल और बढ़ सकता है। क्या प्रशासन 'मिट्टी माफिया' पर शिकंजा कसेगा या यूं ही चलता रहेगा लाखों का यह काला खेल?

बरेली परिक्षेत्र में अपराध पर सख्त शिकंजा :डीआईजी अजय कुमार साहनी ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) अजय कुमार साहनी ने बरेली परिक्षेत्र के सभी जनपद प्रभारियों-वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बरेली, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ, पुलिस अधीक्षक पीलीभीत एवं पुलिस अधीक्षक शाहजहाँपुर के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की।

बैठक में अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था और अन्य अहम बिंदुओं पर गहन चर्चा करते हुए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए।

आईजीआरएस (IGRS) के माध्यम से प्राप्त जन शिकायतों की समीक्षा करते हुए डीआईजी ने निर्देश दिए कि सभी लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

पुलिस और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर निगरानी बढ़ाने और अफवाहों का तत्काल खंडन करने के निर्देश दिए गए।

लंबित विवेचनाओं पर सख्ती- में सीसीटीएनएस (CCTNS) पर 60/90 दिनों से लंबित विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी मामलों का शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए।

यक्ष ऐप पर डेटा फीडिंग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए गए कि 100% डेटा अपडेट सुनिश्चित किया जाए ताकि अपराधियों की पहचान और ट्रैकिंग प्रभावी हो सके।

नशे के कारोबार पर वार- एनडीपीएस एक्ट और ऑपरेशन दहन के तहत की गई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन, जागरूकता अभियान और प्रवर्तन बढ़ाने के निर्देश दिए गए।साइबर हेल्प-डेस्क के प्रभावी संचालन, साइबर अपराध की रोकथाम और लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए विशेष निर्देश दिए गए।

रोटरी भवन में वकीलों का शक्ति प्रदर्शन: एकजुटता, सम्मान और नए जोश का संगम

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । चौपला चौराहा स्थित शुक्रवार को रोटरी भवन में एडवोकेट बार एसोसिएशन का भव्य आयोजन हुआ, कार्यक्रम में वकीलों का जोश, उत्साह और एकजुटता देखते ही बन रही थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन अध्यक्ष अनिल द्विवेदी ने की, जबकि संचालन सचिव गौरव सिंह राठौर ने किया।

संरक्षक मंडल सदस्य आंगन सिंह और संजय वर्मा की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश बार काउंसिल सदस्य शिरीष मेहरोत्रा और विशेष अतिथि पूर्व न्यायाधीश तेजपाल राणा का बैज और पुष्प अर्पित कर भव्य स्वागत किया गया। अपने संबोधन में अतिथियों ने कहा कि न्याय व्यवस्था की असली रीढ़ अधिवक्ता होते हैं। उन्होंने संगठन की मजबूती के लिए एकता और आपसी समन्वय को जरूरी बताते हुए सभी वकीलों से एकजुट रहने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की मुख्य कड़ी में नव नियुक्त पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र और पहचान पत्र वितरित किए गए। मुख्य अतिथि शिरीष मेहरोत्रा, विशेष अतिथि तेजपाल राणा और अध्यक्ष अनिल द्विवेदी ने उन्हें संगठन के प्रति जिम्मेदारी और सजगता का संदेश दिया। इसके साथ ही वरिष्ठ अधिवक्ताओं को भी सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वालों में शिरीष मेहरोत्रा, नरेश पाल सिंह, परमार, रशीद, प्रदीप यादव, धरजीत सिंह और शेर सिंह प्रमुख रहे।अधिवक्ताओं की मौजूदगी भी बेहद प्रभावशाली रही। कविता सक्सेना, चंद्रकली कश्यप, सुची शर्मा, नीरज यादव, पारुल शर्मा, सुषमा माहेश्वरी, शिल्पी और रूबीन समेत कई महिला वकीलों ने सक्रिय भूमिका निभाई और आयोजन को और सशक्त बनाया।

अमरिया में ज्ञान भारती संस्था ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस, मजदूरों के हक की उठी आवाज

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / अमरिया (पीलीभीत)। ज्ञान भारती संस्था द्वारा 1 मई 2026 को कैंचू टांडा स्थित हेड ऑफिस पर अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में मजदूरों ने भाग लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम की शुरुआत संस्था के डायरेक्टर मनोज कुमार राठौर द्वारा मजदूरों के स्वागत से हुई। इसके बाद मजदूरों को उनके अधिकारों, योजनाओं और कार्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।

डायरेक्टर मनोज कुमार राठौर ने कहा कि संस्था हमेशा मजदूरों की सेवा, मदद और न्याय के लिए तत्पर है। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर मजदूर सीधे संस्था से संपर्क कर सकते हैं। संस्था की प्रोग्राम ऑफिसर द्रोपती देवी राठौर ने जानकारी देते हुए बताया कि जल्द ही मजदूरों और कामगारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे वे अपने कार्य में अधिक दक्ष बन सकें।

कार्यक्रम के दौरान मजदूर तौफीक अहमद ने अपनी समस्या रखते हुए बताया कि कई बार उन्हें मेहनत के बावजूद कम मजदूरी दी जाती है और समय पर भुगतान भी नहीं होता। इस पर डायरेक्टर मनोज कुमार राठौर ने आश्वासन दिया कि वे इस मुद्दे को शासन-प्रशासन के समक्ष उठाकर समाधान कराने का प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर अनुराग राठौर, सुरेंद्र कुमार राठौर, कमला देवी, मोहम्मद तौफीक, नूरजहां, मुस्कान, छोटू, जगदीश कुमार, फरजाना, मोहम्मद आसिफ, राजकुमारी, भूरी बेगम, ओम प्रकाश, नन्हे, सुनील कुमार, रामवती सहित कई लोग मौजूद रहे।

लखनऊ में कांग्रेस का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन: मजदूर दिवस और बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर सरकार पर तीखा हमला

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा /बरेली, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी सभागार, केसरबाग में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस के शिक्षा एवं चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा मजदूर दिवस और बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर एक भव्य प्रदेश स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और प्रदेशभर से आए कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

सम्मेलन में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे, सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म की चेयरपर्सन सुप्रिया तथा उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

प्रवक्ता पंडित राज शर्मा के अनुसार, बरेली कांग्रेस की ओर से महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा के नेतृत्व में डॉ. मेहंदी हसन, विनोद कुमार तीर्थमधुकर सहित कई कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए अविनाश पांडे ने कहा कि वर्तमान सरकार में श्रमिकों को उनके अधिकार नहीं मिल रहे हैं, जो लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। उन्होंने मजदूर वर्ग की अनदेखी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सरकार पर मजदूरों, शिक्षकों, स्वास्थ्य कर्मियों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कार्यकर्ताओं से संघर्ष तेज करने का आह्वान किया।

महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा ने कहा कि भीषण गर्मी में मजदूर और किसान कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं की अनदेखी कर रही है, जो उनके साथ अन्याय है।

डॉ. मेहंदी हसन ने अपने संबोधन में कहा कि इतिहास गवाह है-जो सरकार श्रमिकों को उनका हक नहीं देती, वह ज्यादा समय तक सत्ता में नहीं टिकती।

सीबीगंज पुलिस ने हत्या के वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा /बरेली। थाना सीबीगंज क्षेत्र के ग्राम जोगीठेर 19 अप्रैल को हरिओम भटवारी नामक व्यक्ति शराब के नशे में आरोपी के घर के पास पहुंच गया और गाली-गलौज करने लगा। इस बात से नाराज होकर आरोपी हरीश कुमार कश्यप उर्फ नन्होरी और उसके पिता रामदास कश्यप ने हरिओम पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

हमला इतना गंभीर था कि हरिओम गंभीर रूप से घायल हो गया और उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के अगले दिन 20 अप्रैल को मृतक की परिजनों द्वारा थाना सीबीगंज में मुकदमा दर्ज कराया गया। शुरुआत में अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ, लेकिन मौत के बाद इसमें हत्या की धारा 103(1) BNS भी जोड़ दी गई। शुक्रवार को सीबीगंज पुलिस क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और वांछित अपराधियों की तलाश में चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पस्तौर मोड़ के पास से आरोपी हरीश कुमार कश्यप को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त दो लाठी-डंडे (आलाकत्ल) भी बरामद कर लिए हैं। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना सीबीगंज प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार चतुर्वेदी , उपनिरीक्षक मोहित कुमार शर्मा , कांस्टेबल अरविंद कुमार व हितेश कुमार शर्मा रहे। फिलहाल पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है, और अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अमरिया में 'मिट्टी माफिया' बेलगाम! अवैध खनन, लाखों का खेल – जिम्मेदार बने मूकदर्शक

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत - अमरिया (पीलीभीत)। तहसील अमरिया के ग्राम बहरुआ में अवैध खनन का चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां नियम-कायदों को धता बताकर कई एकड़ भूमि से 4-5 फीट तक मिट्टी खोद डाली गई। आरोप है कि यह पूरा खेल संगठित तरीके से चलाया जा रहा है। खनन की गई मिट्टी को गांव के ही धर्मेंद्र पुत्र दोधराम के खेत में कई फीट ऊंचे ढेर के रूप में जमा कर दिया गया है, जो अब छोटे पहाड़ जैसा नजर आ रहा है। यह दृश्य खुद अवैध खनन की कहानी बयां कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, इस मिट्टी को 2000 रुपये प्रति ट्रॉली के हिसाब से बेचा जा रहा है। इस अवैध कारोबार से जुड़े लोग लाखों की कमाई कर रहे हैं, जबकि सरकार को भारी राजस्व नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायतें देने के बावजूद अधिकारियों ने सिर्फ खानापूर्ति के लिए मौके का निरीक्षण किया और फिर चुपचाप लौट गए। अब चर्चा है कि खनन माफिया और विभागीय अधिकारियों के बीच सांठगांठ कर मामले को दबाया जा रहा है।स्थानीय लोगों के अनुसार, इस अवैध धंधे में योगेश भसीन के साथ करीब एक दर्जन लोग शामिल हैं, जो मिलकर इस पूरे नेटवर्क को चला रहे हैं और मुनाफा बांट रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि अगर जल्द ही सख्त कदम नहीं उठाए गए तो अवैध खनन का यह खेल और बढ़ सकता है। क्या प्रशासन 'मिट्टी माफिया' पर शिकंजा कसेगा या यूं ही चलता रहेगा लाखों का यह काला खेल?

अन्तर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर श्रमिकों का हुआ सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। अन्तर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर विकास भवन सभागार में श्रम विभाग द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी अविनाश सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती जया प्रियदर्शिनी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बरेली उपस्थित रहीं। इस अवसर पर उप श्रम आयुक्त, सहायक श्रमायुक्त, सहायक निदेशक कारखाना, परियोजना निदेशक (DRDA) आर.पी. सिंह, भारतीय मजदूर संघ, लघु उद्योग भारती सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने सभी श्रमिकों को अन्तर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस की शुभकामनाएं दीं और उनके कर्मशील जीवन की सराहना की। उन्होंने कहा कि श्रमिक ही देश के असली निर्माण शिल्पी हैं। साथ ही सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी, जिनमें प्रमुख हैं- मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना कन्या विवाह सहायता योजना संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना निर्माण कामगार मृत्यु व दिव्यांगता सहायता योजना अटल आवासीय विद्यालय योजना उन्होंने सभी सेवायोजकों को निर्देश दिए कि श्रमिकों को नवीनतम न्यूनतम वेतन के अनुसार भुगतान सुनिश्चित किया जाए तथा संगठित क्षेत्र के कामगारों को श्वस्ढ्ढ और क्क्न जैसी सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएं। कार्यक्रम में अटल आवासीय विद्यालय, बरेली के 10वीं पास 6 मेधावी छात्रों को जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई- निर्माण कामगार मृत्यु व दिव्यांगता सहायता योजना– 08 लाभार्थियों को ?31.95 लाख मृत्यु/विकलांगता व अक्षमता पेंशन योजना– 10 लाभार्थियों को ?20 लाख मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना– 16 लाभार्थियों को ?4.45 लाख उप श्रमायुक्त ने एक मई दिवस पर श्रमिकों के सुखद एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए नवीन श्रम संहिताओं की जानकारी दी। वहीं सहायक श्रमायुक्त ने अटल आवासीय विद्यालय में उपलब्ध नि:शुल्क व गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा व्यवस्था पर भी प्रकाश डाला कार्यक्रम का संचालन श्रम प्रवर्तन अधिकारी श्री राम अवतार शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बरेली के समस्त श्रम प्रवर्तन अधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

पीलीभीत मंडी परिसर में गरजा किसानों का आक्रोश, एसडीएम की बेरुखी पर भड़के भाकियू कार्यकर्ता

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत। भ्रष्टाचार अवैध खनन और सरकारी तंत्र की वादाखिलाफी के खिलाफ हुंकार भर रहे भारतीय किसान यूनियन भानु के कार्यकर्ताओं का धैर्य शुक्रवार को जवाब दे गया। किसान मंडी परिसर में आयोजित मासिक पंचायत के दौरान उस समय भारी हंगामा खड़ा हो गया,

जब ज्ञापन लेने पहुंची एसडीएम के अड़ियल रवैये ने जलती आग में घी डालने का काम किया। किसानों का आरोप है कि जनसमस्याएं सुनने के बजाय अधिकारी ने तानाशाही दिखाई, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। अपनी 6 सूत्रीय मांगों को लेकर बड़ी संख्या में किसान मंडी में एकत्र हुए थे। मौके पर वार्ता के लिए पहुंची एसडीएम की कार्यशैली से किसान उस समय आगबबूला हो गए, जब बीच बातचीत में अधिकारी अचानक कुर्सी छोड़कर उठ खड़ी हुईं।किसानों के अनुसार, एसडीएम ने दो टूक शब्दों में कहा, ज्ञापन देना है तो दो, वरना मुझे कहीं और जाना है। प्रशासनिक अधिकारी के इस गैर-जिम्मेदाराना बयान ने किसानों के आत्मसम्मान को गहरी चोट पहुंचाई। देखते ही देखते पूरा मंडी परिसर नारेबाजी से गूंज उठा। किसान और अधिकारी के बीच तीखी नोकझोंक के कारण स्थिति अनियंत्रित होने लगी, जिसे देख एलआईयू और भारी पुलिस बल ने मोर्चा संभाला। काफी मान मनौव्वल और पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ और एसडीएम ने किसानों का ज्ञापन स्वीकार किया। जिला अध्यक्ष भजन लाल क्रोधी के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में प्रशासन को आइना दिखाया गया।

संगठन ने आरोप लगाया कि अमरिया के मुडलिया में लाइसेंस खत्म होने के बाद भी स्टोन क्रेशर बेखौफ चल रहे हैं। पूरनपुर और सुनगढ़ी की नदियों में दिन-रात अवैध खनन हो रहा है, जिसे विभागीय संरक्षण प्राप्त है। जनपद में खाद और गैस की भारी किल्लत है। पात्र गरीबों के राशन कार्ड पोर्टल पर बंद पड़े हैं, जिससे सरकारी लाभ उन तक नहीं पहुंच रहा। स्मार्ट मीटरों के नाम पर हो रही अवैध वसूली पर रोक लगाकर पुराने पोस्टपेड मीटर वापस लगाने की मांग की गई है। भाकियू भानु ने स्पष्ट किया कि वर्ष 2025 और 2026 में दिए गए तमाम ज्ञापनों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिसको लेकर आगामी 1 जून को जिले में भारी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। वरिष्ठ मंडल उपाध्यक्ष संचित दीक्षित ने कहा कि यदि प्रशासन ने अपनी कार्यशैली नहीं बदली और एसडीएम जैसे अधिकारियों ने किसानों से बात करने की मर्यादा नहीं सीखी, तो संगठन कलेक्ट्रेट का घेराव कर अनिश्चितकालीन आंदोलन छेड़ेगा। इस मौके पर बाबूराम वर्मा, ओमप्रकाश राजपूत, मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र गुप्ता और तहसील अध्यक्ष राम गोपाल प्रजापति सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

पूरनपुर चीनी मिल में गन्ना सर्वे शुरू, 12 टीमें जुटीं - 12 हजार से अधिक किसानों का होगा आकलन

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पूरनपुर, पीलीभीत। दी किसान सहकारी चीनी मिल पूरनपुर द्वारा पेराई सत्र 2026-27 के लिए गन्ना सर्वेक्षण कार्य शुक्रवार से विधिवत शुरू कर दिया गया है। सर्वेक्षण को सुचारु रूप से सम्पन्न कराने हेतु 12 टीमों का गठन किया गया है, जो 1 मई से 30 जून तक मिल क्षेत्र में कार्य करेंगी।

मिल क्षेत्र के कुल 169 गांवों के 12,147 गन्ना किसानों का सर्वे किया जाएगा। इस दौरान किसानों के गन्ना क्षेत्रफल और बोई गई किस्मों का सटीक आंकलन किया जाएगा। अधिकारियों ने गन्ना पर्यवेक्षकों को निर्देश दिए हैं कि वे पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ सर्वे कार्य को अंजाम दें।

अधिकारियों के अनुसार, सही गन्ना सर्वेक्षण किसी भी चीनी मिल के लिए बेहद अहम होता है। इसी के आधार पर गन्ना आवंटन तय होता है और आगामी पेराई सत्र में चीनी उत्पादन का अनुमान लगाया जाता है।

पहले दिन हुआ गांवों का निरीक्षण- सर्वेक्षण के प्रथम दिन ग्राम नौगवां और हुसैनापुर में टीमों ने भ्रमण कर किसानों से संपर्क किया। किसानों से अपील की गई कि वे सर्वे टीमों का सहयोग करें, ताकि सही आंकड़े संकलित हो सकें।

गड़बड़ी पर होगी सख्त कार्रवाई-सर्वे कर्मियों को स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि किसी स्तर पर गलत सर्वेक्षण या गन्ना किस्म का गलत अंकन पाया गया, तो संबंधित कर्मी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

निगरानी के लिए विशेष व्यवस्था-सर्वे कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक और मुख्य गन्ना अधिकारी को प्रतिदिन टीमों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला गन्ना अधिकारी एवं प्रधान प्रबंधक खुशी राम भार्गव ने उम्मीद जताई है कि किसानों के सहयोग और विभागीय समन्वय से यह सर्वेक्षण समयबद्ध और सफलतापूर्वक पूरा होगा।

खेत तालाब योजना से किसानों को मिलेगा बड़ा लाभ, जल संरक्षण के साथ बढ़ेगी आय

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत। किसानों की आय बढ़ाने और जल संरक्षण को मजबूत करने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा खेत तालाब योजना संचालित की जा रही है। यह योजना भारत सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत पर ड्रॉप मोर क्रॉप घटक में लागू की गई है। भूमि संरक्षण अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के माध्यम से किसान अपने खेतों में तालाब बनवाकर वर्षा जल का संचयन कर सकते हैं, जिससे भूगर्भ जल स्तर में सुधार होगा और सिंचाई की सुविधा भी बढ़ेगी। साथ ही किसान तालाब में मछली पालन, सिंघाड़ा, मखाना, कमल गट्टा और मोती की खेती कर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। ोजना के तहत तालाब का मानक आकार 22 मीटर लंबा, 20 मीटर चौड़ा और 3 मीटर गहरा निर्धारित किया गया है, जिसकी कुल लागत 1.05 लाख है। इसमें किसानों को 50 प्रतिशत यानी 52,500 का अनुदान डीबीटी के माध्यम से दो किस्तों में दिया जाएगा। पहली किस्त ?39,375

तालाब खुदाई पूर्ण होने पर और दूसरी किस्त ?13,125 इनलेट व डिस्प्ले बोर्ड स्थापना के बाद प्रदान की जाएगी। इसके अलावा किसानों को वाटर लिफ्टिंग डिवाइस (पम्पसेट) खरीदने पर 50 प्रतिशत या अधिकतम ?15,000 तक का अतिरिक्त अनुदान भी मिलेगा। शेष राशि किसान को स्वयं वहन करनी होगी। इच्छुक किसान कृषि विभाग की वेबसाइट - www.agriculture.up.gov.in पर ऑनलाइन टोकन के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए ?1000 की टोकन मनी जमा करना अनिवार्य है तथा फार्मर रजिस्ट्री में पंजीकरण होना जरूरी है। टोकन कन्फर्म होने के बाद 10 दिनों के भीतर आवश्यक दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड करना होगा, अन्यथा आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा। किसानों का चयन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। साथ ही उन किसानों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिन्होंने पिछले 7 वर्षों में सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली स्थापित की हो। वित्तीय वर्ष 2026-27 में जनपद पीलीभीत को कुल 12 तालाबों का लक्ष्य मिला है, जिसमें 10 सामान्य वर्ग और 2 अनुसूचित जाति के लिए निर्धारित हैं। अधिक जानकारी के लिए कृषक भूमि संरक्षण अधिकारी इं. कौशल किशोर से मोबाइल नंबर 7839882620 पर या भूमि संरक्षण अधिकारी कार्यालय, पीलीभीत में संपर्क किया जा सकता है।

बारिश ने राहत दिलाई, आंधी से कहीं पेड़ गिरे तो, कहीं दीवार हुई धराशाई

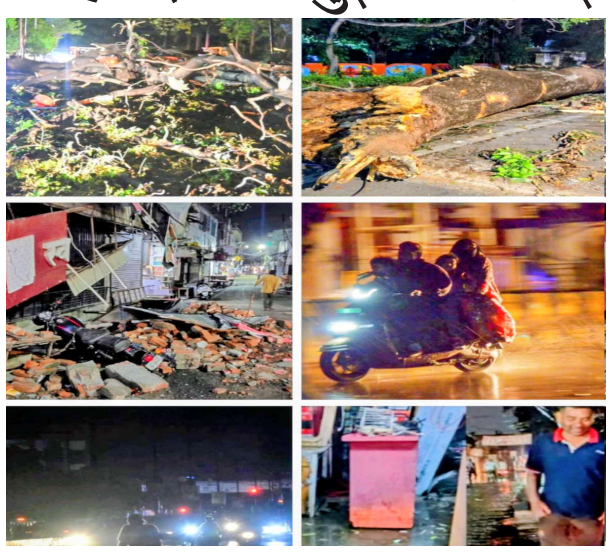

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को बृहस्पतिवार शाम बारिश ने तो राहत दिलाई वहीं आंधी आफत बनकर आई। तेज आंधी के चलते शहर से लेकर देहात कई जगहों पर पड़े गिर गए तो कहीं टहनियां टूटकर गिरीं। इतना ही नहीं बल्कि तेज हवा से कमजोर दीवार और छज्जे हुए धराशाई। जिससे यातायात वाधित हुआ। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। आंधी-बारिश के दौरान कई इलाकों में बिजली गुल हो गई, जिससे उपभोक्ता परेशान रहे। बरेली में सप्ताह भर से तापमान 40 डिग्री के पार दर्ज हो रहा था। बृहस्पतिवार की शाम आंधी और गरज-चमक के साथ बारिश से थम गया। बारिश होने से लोगों को भीषण गर्मी से निजात मिली है। मौसम विभाग ने चार दिन बाद फिर सक्रिय विक्षोभ हावी होने से बादल मंडराने और अनुकूल माहौल बनने पर बारिश के आसार जताए हैं।

आगे भी बदलेगा मौसम-बेमौसम बारिश से राहत के बाद मई के शुरुआती तीन दिन में पारे में 4-6 डिग्री सेल्सियस की बढ़त मुमकिन है। पांच मई को अगले पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से फिर बारिश के अनुकूल माहौल बनेगा। इससे पारे में गिरावट होगी। बृहस्पतिवार को अधिकतम पारा 35.1 और न्यूनतम 22.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।आंधी के साथ हुई बारिश से शहर और देहात में कई जगह पेड़ गिरे। कोहाड़ापीर में सराफा कारोबारी राजीव गुप्ता के प्रतिष्ठान की बाउंड्री गिरने से एक बाइक दब गई। होर्डिंग्स, बैनर हवा से उड़कर दूर जा गिरे। इससे यातायात प्रभावित रहा। कुछ जगहों पर छोटे-छोटे ओले गिरने की भी सूचना मिली। आंधी के दौरान सर्किट हाउस चौराहा के पास विशाल पेड़ गिर गया, जिससे यातायात बाधित रहा। गनीमत रही कि पेड़ की चपेट में कोई नहीं आया। उधर, बड़ा डाकखाना के भी पास भी पेड़ गिरा। बारिश से शहर के वार्ड संख्या 56 के कुंवरपुर में जलभराव हो गया, जिससे लोगों को खासी परेशानी हुई। भुता क्षेत्र में बीसलपुर-बरेली मार्ग पर आंधी से कई पेड़ गिर गया, जिससे यातायात थम गया। मार्ग पर गिरे पेड़ों का काटकर हटाया गया तो यातायात सुचारू हो सका।।

अभिषेक सिंघवी पर बरसे हिमंत- कहा- फर्जी दस्तावेजों से महिला का चरित्र हनन बर्दाश्त नहीं; ये तो बस शुरुआत

असम के मुख्यमंत्री ने अभिषेक मनु सिंघवी पर निशाना साधा है। उनका कहना है कि फर्जी दस्तावेजों से उनकी पत्नी का चरित्र हनन किया गया। सरमा ने इसे कानूनी लड़ाई की महज एक शुरुआत बताया है। दूसरी ओर, सिंघवी ने इसे सत्ता का दुरुपयोग करार दिया है। उन्होंने पवन खेड़ा की जमानत के बाद इसे राजनीतिक प्रतिशोध कहा। अब यह मामला पूरी तरह अदालत की कार्यवाही पर टिका है।असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी के बीच जुबानी जंग अब बेहद तल्ख हो गई है। मुख्यमंत्री सरमा ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सिंघवी पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी से भी लोकतंत्र या सार्वजनिक विमर्श पर मर्यादा की सीख लेने की जरूरत नहीं है।मुख्यमंत्री सरमा ने सिंघवी को आड़े हाथों लेते हुए कहा, %मुझे किसी से भी लोकतंत्र, सार्वजनिक संवाद या शालीनता पर सबक सीखने की आवश्यकता नहीं है, विशेष रूप से अभिषेक सिंघवी से।% सरमा ने इस विवाद के केंद्र में एक महिला के सम्मान का मुद्दा उठाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक लाभ के लिए उनकी पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा को निशाना बनाया जा रहा है, जिनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है।मुख्यमंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा, %असली मुद्दा एक महिला से जुड़ा है। उसका राजनीति से कोई वास्ता नहीं है। इसके बावजूद, दूसरे देशों के फर्जी दस्तावेजों का सहारा लेकर राष्ट्रीय टेलीविजन पर उसका चरित्र हनन किया गया।% सरमा का इशारा कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा की ओर से दिखाए गए उन कथित विदेशी पासपोर्ट और संपत्तियों के दस्तावेजों की ओर था। हालांकि, सीएम के परिवार ने इन आरोपों को पहले ही खारिज कर दिया है। %अदालत में होगा न्याय%- हिमंत बिस्वा सरमा ने विश्वास जताया कि न्यायपालिका इस जालसाजी का संज्ञान लेगी। उन्होंने लिखा, %मुझे पूरा भरोसा है कि अदालतें इस पर गौर करेंगी। चुनावी नतीजों को प्रभावित करने के लिए झूठे दस्तावेजों के जरिए एक महिला की छवि बिगाड़ने वाले को उसके इस दुस्साहस के लिए सजा जरूर मिलेगी।% मुख्यमंत्री सरमा ने सिंघवी की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सिंघवी ने उस मंच पर प्रहार किया जहां मैं जवाब देने के लिए मौजूद नहीं था। इसे संवाद नहीं, बल्कि निष्पक्ष बहस से बचना कहा जाता है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे लिखा, %मैं साफ कर दूं, यह तो बस शुरुआत है, अंत नहीं।

संक्षिप्त समाचार

ताबड़तोड़ गोलियों से भूनकर किसान की हत्या, क्षेत्र में सनसनी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। फरीदपुर थाना क्षेत्र के रायपुर हंस गांव में शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। गांव के ही आम के बाग में एक किसान को गोलियों से भूनकर मौत के घाट उतार दिया गया। उसका शव चारपाई के पास खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला। सुबह खेतों की ओर जा रहे ग्रामीणों ने जब यह मंजर देखा तो इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान गांव निवासी इंद्रपाल के रूप में हुई है, जो बाग की रखवाली के लिए अक्सर वहीं रुकते थे। शुक्रवार सुबह जब ग्रामीण टहलने और खेतों की ओर जा रहे थे, तो उन्होंने चारपाई के पास इंद्रपाल का शव पड़ा देखा। पास जाकर देखने पर शरीर में कई जगह गोलियों के निशान मिले-सीने, पेट और पैर में गोलियां धंसी थीं। खून चारों ओर फैला हुआ था, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि हमलावरों ने बेहद करीब से ताबड़तोड़ फायरिंग की। परिजनों ने हत्या के पीछे पुरानी रंजिश को वजह बताया है। उनका कहना है कि इंद्रपाल की भतीजी को गांव के ही एक युवक द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला सामने आया था, जिसके बाद से दोनों पक्षों में तनाव चल रहा था। आरोप है कि इसी रंजिश के चलते गांव के ही रिशिपाल, सर्वेश, विकास और संगम ने मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद से सभी आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।

बिना मान्यता चल रहा स्कूल जांच को पहुंचे बीईओ

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / शेरगढ़। मुख्यमंत्री पोर्टल पर की गई शिकायत के बाद बिना मान्यता संचालित एमडीएम एकेडमी स्कूल की जांच करने खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार भारती पहुंचे। विद्यालय संचालक मान्यता के अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सके। बीईओ ने नाराजगी जताते नोटिस जारी किया, विधिक कार्रवाई की चेतावनी दी। खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि विद्यालय बिना मान्यता संचालित किया जा रहा था। विद्यालय संचालक ने लिखित रूप से आश्वासन दिया है कि वह स्कूल बंद कर देगा। विभाग ने नोटिस जारी किया है, आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तीन मई तक समर्थ पोर्टल पर महाविद्यालय अपलोड करें अंक

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा समर्थ पोर्टल के माध्यम से शैक्षणिक सत्र 2025-26 स्नातक स्तर पर प्रथम सेमेस्टर का परीक्षाफल

घोषित किया जा चुका है। महाविद्यालयों द्वारा स्नातक स्तर पर बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए, बीसीए, बीबीए रिटेल, हेल्थ केयर, बीएससी गृह विज्ञान एवं परास्नातक स्तर पर एमए, एमएससी, एमकॉम व व्यवसायिक पाठ्यक्रमों के प्रथम सेमेस्टर 2026 के आंतरिक, बाह्य प्रयोगात्मक परीक्षा के अंक कुछ महाविद्यालयों द्वारा समर्थ पोर्टल पर अपलोड नहीं करने के कारण परीक्षाफल अपूर्ण प्रदर्शित हो रहे हैं। परीक्षा नियंत्रक संजीव कुमार सिंह ने सभी प्राचार्यों से अनुरोध किया है कि वह अपने स्तर से यह सुनिश्चित कर लें कि किसी भी छात्र-छात्राओं के आंतरिक, ब्राह्य प्रयोगात्मक परीक्षा के अंक अपलोड किए जाने को 30 अप्रैल से तीन मई के बीच समर्थ पोर्टल दोबारा खोला गया है।

महिलाओं ने जन आक्रोश निकाली पदयात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली,भमोरा। महिला आरक्षण बिल पर विपक्षी दलों का विरोध को लेकर महिला जन आक्रोश यात्रा निकाली गई।इसमें शिवप्रताप सिंह जिला उपाध्यक्ष, ब्लाक प्रमुख आरती यादव और पूर्व ब्लाक प्रमुख वेदप्रकाश यादव के नेतृत्व में ब्लाक से यात्रा शुरू हुई। इसमें बक्ताओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित न होने के लिए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष रामेंद्र पाल सिंह, विनोद लोधी, विशाल दीक्षित, दिवाकर,गौरव शर्मा, मंडल उपाध्यक्ष सरस्वती, वंदना,राजवती, पूनम राजपूत आदि मौजूद रहीं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

गैंगस्टर एक्ट मामले में बड़ी राहत: सुनील शाह को हाईकोर्ट से जमानत, न्यायालय ने सुनवाई के बाद दिया आदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ जालौन। जनपद जालौन के थाना कोतवाली कोंच में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के एक महत्वपूर्ण मामले में अभियुक्त सुनील शाह को माननीय उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। क्राइम नंबर 0043/2026 से संबंधित इस प्रकरण में न्यायालय ने तथ्यों एवं परिस्थितियों पर गहन विचार के उपरांत अभियुक्त को जमानत प्रदान करने का आदेश पारित किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अभियुक्त की ओर से दाखिल जमानत प्रार्थना पत्र संख्या 14760/2026 पर माननीय उच्च न्यायालय की एकल पीठ, राजीव लोचन शुक्ला, ने दिनांक 1 मई 2026 को विस्तृत सुनवाई की। सुनवाई के दौरान अभियुक्त पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता वाई.डी. मिश्रा एवं शिवांगी चतुर्वेदी ने प्रभावी ढंग से अपने तर्क प्रस्तुत किए।

अधिवक्ताओं ने न्यायालय के समक्ष अभियुक्त के पक्ष में उपलब्ध तथ्यों, पूर्व आपराधिक इतिहास तथा मामले की परिस्थितियों को रेखांकित किया। उल्लेखनीय है कि यह मामला थाना कोतवाली कोंच में दर्ज किया गया था, जिसमें प्रभारी निरीक्षक बृजेश बहादुर सिंह द्वारा विवेचना एवं कार्यवाही की गई थी। न्यायालय ने अभियोजन एवं बचाव पक्ष की दलीलों को सुनने के बाद यह माना कि जमानत दिए जाने से न्याय की प्रक्रिया प्रभावित नहीं होगी। न्यायालय के आदेश के साथ ही जमानत प्रार्थना पत्र का विधिवत निस्तारण कर दिया गया है। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि जमानत मिलने के बाद अभियुक्त को न्यायालय द्वारा निर्धारित सभी शर्तों का सख्ती से पालन करना होगा। साथ ही, मूल आपराधिक मुकदमे की सुनवाई संबंधित निचली अदालत में यथावत जारी रहेगी। इस आदेश को अभियुक्त के लिए एक महत्वपूर्ण कानूनी राहत के रूप में देखा जा रहा है। वहीं, प्रशासनिक और कानूनी हलकों में इस फैसले की चर्चा बनी हुई है, क्योंकि गैंगस्टर एक्ट जैसे गंभीर कानून के मामलों में जमानत मिलना न्यायालय द्वारा तथ्यों की गहन समीक्षा को दर्शाता है।

ग्राम फुलैला में भक्ति की वही गंगा महाराज ने सुनाई रुक्मिणी विवाह कथा

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ (कोंच जालौन) ग्राम फुलैला में इन दिनों भक्ति आस्था और भावनाओं का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है मध्य प्रदेश दबोह से पधारे पूज्य गोपाल दास भागवताचार्य महाराज ने जब भगवान श्रीकृष्ण और माता रुक्मिणी के पावन विवाह का प्रसंग सुनाया, तो पूरा गांव मानो द्वापर युग की उस दिव्य लीला में खो गया। कथा के दौरान ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे स्वयं श्रीकृष्ण रुक्मिणी जी को हरने आ रहे हों और श्रद्धालु उस दृश्य के साक्षी बन रहे हों महाराज जी ने अपने सरल, सटीक और हृदय को छू लेने वाले शब्दों में बताया कि सच्चा प्रेम दिखावे से नहीं, बल्कि समर्पण और विश्वास से जन्म लेता है। रुक्मिणी जी का अटूट विश्वास ही था जिसने श्रीकृष्ण को उनके द्वार तक आने को विवश कर दिया। यह प्रसंग केवल कथा नहीं, बल्कि जीवन का कटु सत्य भी है–जहां आज के समय में प्रेम और भक्ति अक्सर बाहरी आडंबर में उलझ जाती है कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। राधे–राधे और जय श्रीकृष्ण के जयघोष से पूरा वातावरण गूंज उठा। कई लोगों की आंखें नम हो गईं, तो कई श्रद्धालु भक्ति में डूबकर भाव–विभोर हो गए। यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मा को झकझोर देने वाला अनुभव बन गया इस पावन आयोजन में अशोक प्रजापति और उनकी पत्नी चंद्रकुमारी परीक्षित की विशेष उपस्थिति रही उन्होंने न केवल श्रद्धा भाव से कथा श्रवण किया, बल्कि आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाई कार्यक्रम के अंत में महाराज जी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि केवल कथा सुन लेना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे जीवन में उतारना ही सच्ची भक्ति है। उन्होंने धर्म, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया ग्राम फुलैला में यह आयोजन सिर्फ एक कथा नहीं रहा, बल्कि लोगों के हृदय में भक्ति की ऐसी लौ जला गया, जो यदि सच्चे मन से जले तो जीवन को भी प्रकाशमय कर दे।

संक्षिप्त समाचार

हेलमेट जागरूकता अभियान: 15 वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई, 4500 रुपए वसूले

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत चलाए जा रहे हेलमेट जागरूकता अभियान के अंतर्गत थाना कोतवाली पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए बिना हेलमेट वाहन

चलाने वालों पर जुर्माना लगाया। साथ ही हेलमेट पहनने वाले चालकों को सम्मानित कर लोगों को जागरूक किया। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार 26 अप्रैल से 6 मई तक आयोजित अभियान के दौरान पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं सीएसपी संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस द्वारा ग्वालियर बायपास पर विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने के लिए जागरूक किया गया और सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी दी गई। बिना हेलमेट वाहन चलाते पाए गए 15 चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए कुल 4500 रुपये का समन शुल्क वसूला गया। पुलिस ने सकारात्मक पहल करते हुए हेलमेट पहनकर चलने वाले चालकों का माला पहनाकर सम्मान भी किया, जिससे अन्य लोगों को भी नियमों के पालन के लिए प्रेरणा मिल सके। यातायात पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे अपनी सुरक्षा के लिए अनिवार्य रूप से हेलमेट का उपयोग करें और यातायात नियमों का पालन करें, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

फर्रुखाबाद सेंट्रल जेल की बड़ी लापरवाही: सड़क पर कुल्हाड़ी और तलवार लिए नजर आए सजायाफ्ता बंदी, सुरक्षा पर उठे सवाल

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप/ फर्रुखाबाद सेन्ट्रल जेल के बाहर बंदीयों की एक तस्वीर विचलित करने वाली है, जो व्यवस्था पर सबाल खडे करती हैं 7 कारागार की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सबाल खड़े करते हैं 7 दरअसल बिजली विभाग हाईटेंशन लाइन के तार डाल रहा है 7 जिसके चलते वन विभाग के पेड़ की टहनियां काटी गयी हैं 7 उन्हें जेल के बंदियों के द्वारा काटकर ले जाया गया 7 इस दौरान एक सजायाफ्ता बंदी के हाथ में तलवार जैसा हथियार व कई बंदियों

को कुल्हाड़ी थमा दी गयी, जिसकी सुरक्षा के लिये वायरल वीडियो में केबल एक ही बंदी रक्षक डंडे के साथ मौजूद नजर आया सिपाही के हाथ में केबल डंडा और बंदियों के हाथ में धारदार हथियार देखकर हर कोई चौंक गया 7 विगत महीनों कन्नौज जेल से फरार हुए दो बंदीयों व विगत वर्षो जिला जेल फतेहगढ़ के एक बंदी की गोली लगने से मौत की घटना के बाद भी जेल प्रशासन नें इससे सीख नही ली 7 वहीं जो लकड़ी जेल विभाग नें उठायी वह वन विभाग की लकड़ी थीं! जिसको बिना अनुमति के उठा लिया गया7 अधिवक्ता डॉ. दीपक द्विवेदी नें बताया की यह सजायाफ्ता बंदियों को कारागार परिसर से बाहर लेकर जाना और उनके हाथ में धारदार हथियार थमा देना कानूनी व सामाजिक रुप से गलत है 7 इस तरह के कृत्य करने वाले अफसरों पर कार्यवाही कानून के तहत होनी चाहिए7 सेन्ट्रल जेल के जेलर करुणेन्द्र यादव नें बताया की बिजली विभाग नें पेड़ो की छटाई की थीं, जिसको बंदियों से उठवाया गया था, जो भी बंदियों को दिया गया था वह नियम के तहत दिया गया था, किसी प्रकार से कानून का उलंघन नही किया गया है

कानूनगो व उसके सहयोगी को एंटी करप्शन टीम ने 15 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप /जनपद फरूखाबाद उत्तर प्रदेश/फर्रुखाबाद के तहसील सदर क्षेत्र के शमसाबाद के पूर्वी के कानूनगो व उसके सहयोगी को एंटी करप्शन टीम ने गुरुवार शाम को 15 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। उसने किसान से खेत की पैमाइश के नाम पर 30 हजार रुपये मांगे थे। नवाबगंज थाना क्षेत्र के गांव वीरपुर नादी निवासी किसान सर्वेश शाक्य का गांव में ही सात बीघा खेत है। मौके पर खेत कुछ कम है। इसके चलते वह खेत की पैमाइश कराना चाहते थे। इसके लिए वह जनपद फतेहपुर निवासी व सदर तहसील में तैनात कानूनगो विमल श्रीवास्तव से मिले। कानूनगो के साथ ही ऋषभसक्सेना उर्फ पवन दलाल के रूप में काम करता है। उसी के माध्यम से कानूनगो ने सर्वेश से 30 हजार रुपये रिश्वत मांगी थी। उन्होंने कानपुर एंटी करप्शन टीम से इसकी शिकायत की। बृहस्पतिवार को टीम शहर में आई। शाम को सर्वेश, पवन सक्सेना के साथ कानूनगो विमल श्रीवास्तव को बजरिया स्थित घर पर 15 हजार रुपये रिश्वत देने के लिए पहुंचा। उन्होंने जैसे ही कानूनगो को 15 हजार रुपये दिए टीम ने विमल व पवन सक्सेना को दबोच लिया। दोनों को एंटी करप्शन टीम फतेहगढ़ कोतवाली लेकर चली गई। पवन ने सर्वेश से रुपये लेकर रख दिए थे कानूनगो के बैग में किसान सर्वेश शाक्य से कानूनगो अपने निजी सहयोगी पवन सक्सेना के माध्यम से 40 हजार रुपये की मांग कर रहा था। रुपये न होने की बात बार–बार कहने पर 30 हजार रुपये पैमाइश कराने का भरोसा पवन ने सर्वेश को दिया था। इसके बाद सर्वेश ने पैमाइश पहले 15 हजार रुपये देने की बात कही। इस पर कानूनगो तैयार हो गया था। सर्वेश पवन उर्फ रिषभ के साथ ही कानूनगो के कमरे पर रुपये देने गया। वहां उसने पवन को रुपये दिए तो उसने गिनने के बाद कानूनगो के बैग में रख दिए। इसके बाद पीछे किसान के वेष में खड़े एंटी करप्शन टीम के जवान ने बैग के साथ ही कानूनगो व पवन को दबोच लिया। इसके बाद एंटी करप्शन टीम के अन्य सदस्य पहुंच गए। दोनों आरोपियों के साथ सर्वेश को भी फतेहगढ़ कोतवाली लेकर पहुंचे। पांच दिन पूर्व की थी शिकायत, किसान के वेष में पहुंची एंटी करप्शन टीम–किसान सर्वेश शाक्य ने पांच दिन पूर्व कानपुर जाकर एंटी करप्शन टीम से मामले की शिकायत की थी। उसके बाद टीम के कुछ सदस्य सदर तहसील व कानूनगो के बजरिया स्थित किराए के मकान को देखकर वापस चले गए थे। इसके बाद टीम ने कानूनगो को पकड़ने के लिए जल बिछाया। सर्वेश को रंग लगे नोट दिए गए। वह नोट दिए। बजरिया फील्ड में कार खड़ी करने पहले ही टीम के अधिकांश सदस्या सिर पर गमछा आदि बांध कर किसान का वेष बना लिया, जिससे किसी को कोई शक न हो।

ऑपरेशन मुस्कान: भौंती पुलिस ने तीन नाबालिगों को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत थाना भौंती पुलिस ने सराहनीय कार्रवाई करते हुए तीन लापता नाबालिग बालक–बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब कर उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी प्रशांत शर्मा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस द्वारा लगातार प्रयास करते हुए अलग–अलग प्रकरणों में लापता हुए नाबालिगों की तलाश की जा रही थी।

जानकारी के अनुसार, 27 अक्टूबर 2025, 5 मार्च 2026 एवं 30 मार्च 2026 को नाबालिग बच्चों के लापता होने की रिपोर्ट थाना भौंती में दर्ज कराई गई थी,

जिन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही थी। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा 1 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक चलाए गए ऑपरेशन मुस्कान अभियान के अंतर्गत इन मामलों में तेजी से कार्रवाई करते हुए बच्चों को सकुशल बरामद किया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक घनश्याम भदौरिया, उपनिरीक्षक कुसुम गोयल, सहायक उपनिरीक्षक संजय भगत सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस की इस पहल से परिजनों में खुशी का माहौल है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि बच्चों की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें।

महिला के साथ छेड़छाड़ की घटना करने के आरोपी को थाना मुगलपुरा पुलिस द्वारा मुठभेड़ में गिरफ्तार किया

क्यूँ न लिखूँ सच / सिकंदर राजा / मुरादाबाद – थाना मुगलपुरा क्षेत्र में चौकी क्षेत्र बरबलान में एक गली में महिला के साथ छेडछाड व अश्लील हरकत करने की घटना के सम्बन्ध में महिला द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर थाना मुगलपुरा पर दिनांक 30.04.2026 को मु0अ0सं0 51/2026 धारा 74 बीएनएस पंजीकृत किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुरादाबाद के निर्देशानुसार, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण, वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी कोतवाली नगर, मुरादाबाद के नेतृत्व एवं पर्यवेक्षण में, विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में सीसीटीवी फुटेज व अन्य साक्ष्यों के संकलन के आधार पर अभियुक्त नौशाद पुत्र इरशाद निवासी मौहल्ला पीरजादा चौक मकबरा थाना कटघर जनपद मुरादाबाद का नाम प्रकाश में आया।

उक्त क्रम में थाना मुगलपुरा पुलिस द्वारा दिनांक 30.04.2026 की रात्रि में चेकिंग के दौरान अभियुक्त नौशाद पुत्र इरशाद निवासी मौहल्ला पीरजादा चौक मकबरा थाना कटघर जनपद मुरादाबाद को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से 01 अवैध तमंचा 315 बोर, 01 खोखा कारतूस, व 03 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुए। पुलिस मुठभेड व बरामदगी के आधार पर थाना हाजा पर मु0अ0सं0 52/2026 धारा 109 (1) बीएनएस व 3/25/27 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है, अन्य विधिक कार्यवाही प्रचलित है। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम पता–नौशाद पुत्र इरशाद निवासी मौहल्ला पीरजादा चौक मकबरा थाना कटघर जनपद मुरादाबाद उम्र 26 वर्ष 01 अदद तमंचा नाजायज 315 बोर, मय नाल में फंसा 01 अदद खोखा कारतूस नाजायज, व 03 जिन्दा कारतूस 315 बोर नाजयाज गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली पुलिस टीम का विवरण–1–कार्यवाहक प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह 2–30नि0 योगेश शर्मा– 3–30नि0 श्रीओम शुक्ला 4–30नि0 आशीष मलिक 5–म0उ0नि0 रानी सिंह 6–हे0का0 सेन्सरपाल सिंह 7–का0 राहुल अहलावत 8–का0 जितेन्द्र कुमार 9–का0 अजय

5 Affordable Villages in India That Offer Switzerland-Like Beautiful Landscapes

India boasts several beautiful villages, such as Khajjiar and Auli, where you can experience Switzerland-like scenery on a budget. These places offer the perfect blend of nature, tranquility, and adventure. Everyone dreams of seeing the snow-capped mountains, However, traveling abroad isn't also boasts many places whose villages are so beautiful that they're experience lush green fields, snow- air. The most important thing is that allowing you to plan a wonderful want to travel on a budget, this about five villages in India where you a fortune. These villages in India are on a budget. Here, you'll find natural into one. Next time you plan a trip, Khajjiar is known as India's Mini located in the Chamba district of forests, and a beautiful lake make it perfect for couples and families. Auli Uttarakhand. Auli is famous for spectacular views of the Nanda Devi Europe. Tawang - Tawang is located a district. However, it boasts Jang, where the natural tranquility, evoke exotic locales. Tawang is known for its snow-capped hills and monasteries. The serene atmosphere and natural beauty of this place will mesmerize you. Mawlynnong- Mawlynnong is a village located in the state of Meghalaya, situated on the India-Bangladesh border. Considered to be the cleanest village in Asia, Mawlynnong is a paradise for nature lovers. The greenery and cleanliness here can remind you of Switzerland. Chopta- Chopta is called the Mini Switzerland of Uttarakhand. The greenery, snow-capped mountains and trekking routes here are very attractive. Chopta is located in the Rudraprayag district of Uttarakhand, which is not a traditional inhabited village, but a beautiful meadow.

exploring the beautiful valleys of Switzerland, and spending time by the tranquil lakes. within everyone's budget. However, India natural beauty is unparalleled. Some Indian even called "Mini Switzerland." Here, you'll capped peaks, a serene atmosphere, and clean visiting these places is very affordable, trip on a budget. If you're a nature lover and article will be helpful. Here, we'll tell you can experience Switzerland without spending the perfect choice for a foreign-like experience beauty, tranquility, and adventure all rolled be sure to include these places. Khajjiar - Switzerland. Khajjiar is a beautiful hill station Himachal Pradesh. Lush green fields, pine a truly captivating destination. This place is - Auli is located in the Chamoli district of skiing and snow-capped views. It offers mountain range. In winter, the place feels like in Arunachal Pradesh. It's not a village, but beautiful villages like Chakzam, Mago, and traditional houses, and breathtaking views

Health Alert: Are you inviting illness? This one mistake can ruin your entire health.

Eating dinner too late at night disrupts the body's natural biological clock, the circadian rhythm. If you're making this mistake, be careful. It can be detrimental to your health. The hustle and bustle of work and busy lives have seriously Experts say that people's dinner times are getting from work late or working late into the night, people meal is enough, but numerous studies have shown say that this habit not only disrupts your digestion you're making this mistake, be careful. Eating late is body's natural biological clock. Our digestive system at night. Eating heavy meals late at night slows eaters are at significantly increased risk of obesity, problems. Eating late at night can weaken bones. Journal of the Endocrine Society found that people risk of osteoporosis. Osteoporosis weakens and thins and shoulders. A study conducted at Nara Medical included 45.3% men and 54.7% women. The study drinking alcohol, and lack of exercise can increase the American Journal of Clinical Nutrition found that activity is minimal at night, so excess calories are the body from processing glucose properly and impacts the digestive system. Eating immediately before bedtime does not give the stomach enough time to digest food. This can increase problems like acidity, gas, bloating, and indigestion. Eating late at night also affects sleep, requiring the body to work harder to digest. This delays sleep onset and prevents deep sleep. A late-night dinner can affect the body's production of the hormone melatonin, which is responsible for good sleep. Eating late at night can also negatively impact blood sugar levels. The body's metabolism slows down at night, making glucose control more difficult.

impacted our lifestyles. This has also affected our eating habits. later, which is considered a health hazard. Whether it's returning often eat dinner too late. Many people think that simply eating a that eating late at night can cause serious health problems. Experts but can also affect your bones, heart health, and blood pressure. If harmful. Health experts say that eating late dinner disrupts the is more active during the day, while the body goes into repair mode digestion and can lead to numerous health problems. Late dinner acidity, sleep problems, blood sugar imbalances, and heart Eating late at night can be quite harmful. A study published in the who frequently skip breakfast and eat dinner late are at higher bones, leading to more frequent fractures of the hips, arms, spine, University in Japan collected data from 927,000 adults. This found that skipping breakfast, eating late at night, smoking, the risk of arthritis. Obesity is a risk factor: A study published in people who eat late at night are at higher risk of obesity. Physical stored as fat. Insulin sensitivity also decreases at night, preventing increasing fat storage. Know these risks: Eating late at night directly

AC Tips: No split or window, bring home this AC in this scorching heat; your room can be as cool as a refrigerator.

These days, the craze for portable ACs has increased significantly in the market. As a result, many people have many questions about portable ACs. Let's explore these in this article. When it comes to ACs, people usually think of split ACs few people know about: portable ACs. To escape down a wall or cut a window. These days, the market, a boon for those who live in rented a window AC. This air conditioner looks like an powerful as a split AC. With its wheels, it can be features of this portable AC: It doesn't require a window and plug it in. It's equipped with sturdy it into the living room during the day and the blends perfectly with modern home interiors. size, it boasts a high-capacity compressor that instantly expels hot air from the room through a Features like sleep mode, turbo cool, and a weather conditions. Ideal for renters: Packing handling a suitcase. There is no need to drill a any damage to the structure of the house. less expensive than other ACs. Keep these things exhaust pipe provided with the AC is long enough to reach your window. Choose a 1 ton or 1.5 ton model as per the size of your room to save electricity and get proper cooling. Do check the noise before buying, as the compressor noise may be a little loud in some models.

or window ACs. However, there's one AC that the scorching heat, you no longer need to break portable ACs have emerged as a great option in accommodations or whose rooms lack space for air cooler, but its cooling capacity is just as easily moved from one room to another. Key mechanic to install; simply run a pipe out the wheels underneath, allowing you to easily move bedroom at night. It occupies minimal space and How does it cool a room? Despite its compact absorbs humidity and heat in minutes. It hose, quickly lowering the room temperature. humidifier provide comfortable cooling in all and transporting it when moving is as easy as hole in the wall for its installation, which prevents Servicing and cleaning it is much simpler and in mind before buying - Make sure that the

Rubina Dilaik is enjoying her vacation in the Maldives; she poses romantically in a bikini with her husband Abhinav Shukla in the pool.

Actress Rubina Dilaik is enjoying her vacation in the Maldives. She has been sharing glimpses of the vacation with her fans on social media. She has shared some beautiful photos in which she is seen striking captivating poses. Popular TV actress and Bigg Boss Season 14 winner Rubina Dilaik is often in the news. These days, she is on a trip to the Maldives with her family. The actress is spending quality time there. During the summer season, she was seen enjoying the natural beauty of the beach. Rubina also shared some photos on Instagram. Rubina and Abhinav got romantic in the pool - Rubina Dilaik was seen enjoying the pool with her husband and actor Abhinav Shukla in the Maldives. The couple is lost in each other's love. Rubina is seen posing in a very glamorous style in a bikini. Rubina loves traveling - Rubina Dilaik has written a caption with the pictures, 'Travelling gives me immense happiness. Besides, it makes our bond stronger'. Rubina is a popular TV actress. Rubina Dilaik started her career in the year 2008 with Chhoti Bahu. Then she gained a lot of popularity with 'Shakti - Astitva Ke Ehsaas Ki'. Rubina-Abhinav are TV's power couple - Rubina Dilaik and Abhinav Shukla got married on 21 June 2018. Both were dating each other since the year 2015. Their pair is very much liked among the fans. Lots of fun on the beach - Rubina and Abhinav have gone on this trip to Maldives with their family and some close friends. Everyone had a lot of fun amidst the sea views. Abhinav and Rubina are parents of twin daughters- Abhinav and Rubina's two daughters are also with them on the vacation. Let us tell you that Abhinav and Rubina welcomed twin daughters on 27 November 2023. Abhinav seen chilling with friends- Abhinav Shukla was seen spending relaxing moments in Maldives in this summer season. He was seen chilling on the beach with his friends. Rubina seen cycling- Rubina Dilaik is famous for her fitness. She took care of it even during the vacation. She was seen cycling in Maldives.

A major update on Deepika Padukone's "Raaka": She will continue shooting despite her pregnancy! This is how the action scenes will be shot.

The film "Raaka" is already in the news. Recently, Deepika Padukone announced her second pregnancy, raising questions about whether she would continue with the film. A major update has emerged on this matter. Directed by Atlee, "Raaka" is already in the news because of Deepika Padukone and Allu Arjun. Its poster was recently shared, further increasing fans' excitement. Meanwhile, after the announcement of Deepika's second pregnancy, many questions were raised about her character, some of which have now been answered. This is how the action scenes will be shot. New information has emerged about Deepika Padukone's film "Raaka." According to reports, Deepika is still playing a key role in the film despite announcing her second pregnancy, and there have been no changes to her role. The film's team had previously stated that Deepika would continue shooting during her pregnancy, and some action scenes would be shot with the help of a body double. Now, according to the latest update, her character in the film will remain the same, and her emotional track in the story has also been retained. No changes to the role: According to production sources, Deepika is a crucial part of the film's story, and no cuts have been made to her scenes. It has been reported that some of the action portions will now be shot with a double, while she will continue to shoot the emotional and dramatic scenes herself. The source said, "Deepika has a spectacular entry in the film and a major action moment with Allu Arjun. All these scenes will now be shot with a body double, but her dramatic scenes will remain the same. Her role is exactly the same; no changes have been made." She is a lead character in the film and nothing has been removed due to her pregnancy.' Earlier, a source had told that even during her pregnancy, Deepika was shooting intense action scenes for the film and she will continue shooting throughout the project.

"Sun, Moon, and Stars..."; Ranveer Allahbadia in love with girlfriend Juhi in Masai Mara; shares photos

YouTuber and podcaster Ranveer Allahbadia is currently in the news for his personal life. Recently, he confirmed his relationship with Juhi Bhatt. Now, he is on a trip to Kenya with Juhi. Recently, Ranveer Allahbadia visited to watch an IPL match, where his girlfriend Juhi Bhatt was also seen with him. During this time, Ranveer also confirmed his relationship with Juhi and that he was dating her. Now, he is spending quality time with Juhi in Kenya. He has shared some photos on social media. Ranveer and Juhi get romantic in Masai Mara - Ranveer Allahbadia shared some photos on his Instagram account on Tuesday. In these photos, he and Juhi Bhatt are seen spending quality time together, posing romantically. These photos are from Masai Mara National Park in Kenya. Ranveer also wrote a beautiful love note. Ranveer wrote a loving caption - Ranveer Allahbadia wrote a loving caption with the post. He wrote, "The sun, the moon, the stars and everything in between. Have you ever met someone whose light burns all the negativity in the world to ashes? I have." He added a red heart emoji and an evil eye emoji. Ashish Chanchlani said, "Get married soon." Celebrities and many famous YouTubers are commenting on Ranveer Allahbadia's post. Farah Khan and Ori have congratulated him. Ashish Chanchlani also wrote, "Get married soon." Ranveer's followers are also wishing him well. Who is Juhi Bhatt? While Ranveer is a YouTuber, Juhi Bhatt is a social media influencer. According to reports, she hails from Dehradun, Uttarakhand. Juhi is known for her fashion and lifestyle content and has worked with many major brands. Juhi's social media profiles feature a mix of dance reels, lifestyle videos and creative sketches.